

1Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k 65

- 2 For each Hostel there shall be a Warden and other staff as may be determined by the Director of the Institute from time to time. The office of the Chairman, Council of Wardens (CoW) and other Wardens shall be held by the members of the academic staff of the Institute. These appointments shall be made by the Director. The Warden of a Hostel shall be responsible for managing it efficiently.
- 3 Every student residing in a Hostel shall join the Hostel Mess. However, the Warden may exempt an individual student from the Hostel Mess on medical grounds for a specified period.
- 4 During Institute vacations, messes of a few Hostels will function, depending upon need. All students staying in the Hostel during vacation shall have to join one of these messes. No other arrangement will normally be permitted.
- 5 Each Hostel shall have a Executive Committee (HEC). The constitution of the HEC and its functions shall be as decided by the CoW.
- 6 Every resident shall be personally responsible for the safe up-keep of the furniture and other items supplied to the resident and will be charged for any damage or loss caused by design or negligence during the occupancy of the room.
- 7 Every resident must pay the mess bill by the due date, announced by the Warden. Failure to deposit the dues in time may result in fine or such other penalty as the Warden may deem fit. Even the registration of a student may be cancelled in case of failure to clear the mess dues within 30 days of the due date.
- 8 Besides the payment of mess dues, every resident will also pay establishment charges every month at the rate prescribed from time to time by the Warden. This is in addition to the mess establishment charges payable to the Institute.
- 9 Residents shall respect the right of each individual to express his/her ideas, pursue his/her interests and follow the style of life most meaningful to him/her. However, party based political campaigning is prohibited.
- 10Visitors of the opposite sex are strictly prohibited to enter the residential blocks of any Hostel.
- 11Students are disallowed to enter the residential areas of faculty and employees except on invitation.
- 12Use of liquor, drugs, or any other intoxicants in the Hostel premises is strictly prohibited.
- 13Every resident shall comply with all the rules and regulations of the Hostel as may be in force from time to time. The Warden shall take necessary action against the defaulters.
- 14The guidelines for Hostel residents will be displayed on the Institute website in the form of Hostel Manual.

#### 14. AMENDMENTS

Any amendments to the Ordinances made by the Senate shall be displayed here.

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

अधिसूचना

का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठत धारा 33 (ारा द) त शि  
तय+ का योग करते, ए, शासी बोर्ड के भारतीयसूचनाौगिकसंथानरांची (भा.सू.ौ.स.रांची)म56ातककाय  
7मकेउ9े:यिन;ानुसार ह=:• ौौगिकऔरिव?ानम5उ@तमतरकिशादानकरनाऔरसाम,  
रचना)मकऔरकपनाशीलअभयंBऔरवै?ानिक+कासृजनकरना, नई द ली, 23 अ  
तूबर, 2019ऑनस)काय म अ

यादेश

6ातककाय 7मइनउ9े:य+कोHकरनेऔरछाBम5अवधारणाJऔरबौGककौशल, साहसऔरिनKा,  
समाजकइनिनयमावलीम5निहतउपबंध, पाO7मिनदPशदानकरने,  
परीAाआयोिजतकरनेऔरछाBकेनिQपादनकामूयांकनकरनेकेिलए अभयांिBक /ौौगिक म5 4 वषTय  
पाO7म+ का नेतृव करने वाले बी.टेक (ऑनस ) क िडXी कशतY को शािसित करेगा।1.3कोई छाB इन  
अ2यादेश+ (ारा िनधा &रत सभी शैAणिक आव:यकताJ को पूराकरने के बाद बी.टेक उपाधि ािH हेतु  
1.5.1 सीनेट क पूव 6ातकसिमित (एसयूजीसी) सीनेट के उप-िनयम+ के अनुसार थापित सीनेट पूव  
6ातकसिमितम5, )येक शैAणिक विभाग और अंत:विषय काय 7म+पूव 6ातकछाB (तृतीय एवं चतुथ वष के)

जो इस उद्देश्य के लिए कक्षा के वरक छात्र (रा नामांकित होते हैं, शामिल होंगे। एसयूजीसी का अर्थात्, एसयूजीसी के संयोजक मंडल से होगा और सीनेट (रा अनुमोदित किया जाएगा, वह एसयूजीसी के बैठक बुलाएगा और उसका अर्थात् करेगा। संस्थान के छात्रकालीन मंडल से संबंधित निम्नलिखित मामलों में एसयूजीसी का अधिकार अर्थात् निम्नानुसार है: 1.4.1 इस विनियम के उपबंध किसी भी नए विषय पर भी लागू होंगे जो समय-समय पर आरंभ किए जाते हैं और अनुच्छेद 1.4 के सूची में जोड़े जाते हैं। 1.4.2 सीनेट के सिफारिश पर, शासक मंडल किसी भी समय सीनेट (रा उपयुक्त माने जाने वाले इस विनियम के कुशलतकनीक जनशिक्षण विकास मंडल) वपूर्ण योगदान देना, और

राफ कबद्धी मांग को पूरा करने के लिए एक बौद्धिक कोषांग बनाना।

- नए पाम के औपचारिक वीकृति, • पहले से अनुमोदित पाम में
- वांछनीय संशोधन, • पाम के डिप्ट मूल्यांकन, • प्रतिशत वष (मदुबारा
- पढ़ने वाले छात्र, को अति-म.प से औपचारिक वीकृति, • डिप्टी पादन
- करना, • शैक्षणिक निष्पादन का मूल्यांकन और • इस प्रकार के
- असंबंधित मामलों को सीनेट द्वारा संदर्भित किया जा सकता
- है। क्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी (सीएसई)

1.4.3 (ii) Hkkx II [k.M 3(ii) Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 67

एसयूजीसी के कार्य में मुख्य रूप से सामाजिक नीति निर्धारण, समन्वय और समीक्षा शामिल हैं, लेकिन, सीनेट अंतिम समीक्षा एसयूजीसी अपने उद्देश्यों का निर्वहन करने में, संबंधित विभिन्न शैक्षणिक विभागों के सिफारिश और संतुष्टि का पूरा उपयोग करेगा। एसयूजीसी के दो स्थायी उप-समितियाँ होती हैं। पाठ्यक्रम समिति (सीसी) और शैक्षणिक निष्पादन मूल्यांकन समिति (एपीईसी) जिन्हें विभागीय छात्रकालीन समितियाँ (डीयूजीसी) द्वारा सहायता दी जाती है। एसयूजीसी के अर्थात् पाठ्यक्रम समिति (सीसी) और शैक्षणिक निष्पादन मूल्यांकन समिति (एपीईसी) दोनों के संयोजक को सदस्यों में से पाँच संकाय सदस्य शामिल होते हैं। मुख्य पाठ्यक्रम समिति मुख्य पाठ्यक्रम के देख-रेख करता है, इसके विभिन्न शैक्षणिक निष्पादन का मूल्यांकन एवं (i) अर्थात् के अगले कार्य में के बारे में सिफारिश और (ii) शैक्षणिक दृष्टि से कमजोर छात्रों के मामले में जाने वाली कार्रवाई से एसयूजीसी को अवगत कराता है। यह दोन समितियाँ अपनी सिफारिश 1.5.2 विभाग के छात्रकालीन समिति (डीयूजीसी) विभाग छात्रकालीन समिति (डीयूजीसी) का गठन विभाग के संकाय सदस्यों के परामर्श से विभागाध्यक्ष (रा किया जाता है। इसमें एक संयोजक, विभागाध्यक्ष, डीपीजीसी के संयोजक, न्यूनतम दो और अधिकतम चार संकाय सदस्य, दो छात्र प्रतिनिधि और दूसरे विभाग / कार्य में के एक संकाय सदस्य होते हैं। डीयूजीसी के संयोजक को दो वर्ष के अवधि के लिए विभाग के मुख (रा नामित किया जाता है। छात्र प्रतिनिधि और बाहरी संकाय सदस्यों को संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक मामलों) द्वारा नामित किया होगा, जिनमें से आधे वर्ष इसका सदस्यता निवृत्त होंगे। जाएगा। छात्रों को तीसरे और चौथे वर्ष के वरक छात्रों से नामांकित किया जाएगा। संकाय सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का डीयूजीसी निम्नलिखित के उद्देश्य है

डीयूजीसी से अपेक्षा है कि वह नियमित रूप से बैठक करे और अपने निष्णयों का रिकार्ड रखे। 1.6 शैक्षणिक मामलों के संकायाध्यक्ष का कार्यालय शैक्षणिक मामलों के संकायाध्यक्ष (डीए) का कार्यालय, जिसे शैक्षणिक अनुभाग कहा जाता है, सीनेट और एसयूजीसी द्वारा अकादमिक मामलों पर लिए गए निष्णयों के कार्यालय के लिए उद्देश्यी होता है। यह (i) छात्रकालीन मंडल से संबंधित सभी अभिलेखों को रखता है, नियमानुसार उन्हें आगे बढ़ाता है और उनका रख-रखाव करता है, जिसमें चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम, शैक्षणिक कैलेंडर, पंजीकरण, छुट्टी, परीक्षाएं, खेड और उपाधि दान करना एवं पुरस्कार शामिल हैं, (ii) सभी शैक्षणिक मामलों से संबंधित सूचना का सार करता है, (iii) आवश्यकता पड़ने पर / आदेश जारी करता है, (iv) छात्रों, शिक्षकों, जॉर्नल, कूटस्थ और औद्योगिक कक्षा का पय वेक्षण एवं उन्हें सौंप कराना। (ii) कक्षा परीक्षा, लोतरी, औद्योगिक परीक्षा, समापन सेमेटर परीक्षा, सेमिनार और रोजे टुटि का पय वेक्षण (iii) छात्रों को दिये जाने वाले गुणवत्ता परक अनुदेशों के निगरानी (iv) नए पाठ्यक्रम और कार्य में का ताव और कार्यालय (v) छात्रों के समयांतर पर विचार करना और उन्हें शैक्षणिक मामलों में सलाह देना। (vi) निष्ठा करता। (फॉर्म यूजी-01 और यूजी-02) में छात्रों से कोस अनुदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन किताबों को रखना। एवं उन्हें सौंप कराना।

अंडर-स्क्रिप्ट (यूजी) कार्यालय, एसयूजीसी और उसके उपसमितियों को उनके कार्य में सहायता करता है। विभाग / अंतर्विषय कार्य में और एसयूजीसी के बीच संचार के एक माध्यम के रूप में कार्य करता

है। शैक्षणिक अनुभाग का 2.1 शैक्षणिक संसद को दो सेमेटर में विभाजित किया जाता है जिसमें 5) एक सेमेटर का अविध लगभग 20 सप्ताह का होती है। 2.2 सीनेट-संसद के लिए शैक्षणिक गतिविधियों का अनुमोदित अनुसूची, जिसमें 5 पंजीकरण, 22य सेमेटर और अंत - सेमेटर 2.3 इसके अतिरिक्त, Xीक अंतराल के दौरान एक सेमेटर हो सकता है, जिसे Xीकमकालीन सेमेटर कहा जाता है। 3.1 भा.सू.ौ.स.रांची के 6) तक काय 7म का 5) एक शाखा में सीटों का संख्या, जिन पर वेश दिया जाना है, का संथान के 3.2 कसी भी वर्ष में बी टेक काय 7म में वेश भारत सरकार के आदेशों के अनुसार होगा। वतमान में 5) की माध्यमिक शिक्षा 3.3 संथान के कसी भी काय 7म में 5) एक छात्र का वेश अनंतिम या अस्थायी होता है। वह सीनेट द्वारा निधा औरत अह का 3.4 यदि ऐसा पाया जाता है कि वेश लेते समय कसी छात्र ने कुछ अस)य सूचना दी थी अथवा कुछ सांख्यिक जानकारी को 3.5 संथान के पास कसी भी छात्र के वेश को र) करने का अधिकार है और छात्र के असंतोषजनक अकादमिक निष्पादन

5.1 सभी कांजी (जो) एयान, कूटो और यल, योगशाला, काय शाला आदि) में उपस्थिति उसके लिए उ)ह 5 पंजीकृत किया 4. आवास 4.1 यह संथान अनिवार्य रूप से एक आवासीय संथान है और जब तक अस्थायी छूट/अनुमित न हो, 5) एक छात्र को 4.2 छात्रावास में रहने के दौरान कसी छात्र को जो शत) नि)त रूप से पूरी करनी होती है, उनका उल्लेख परिशि) 1 में परीक्षाएं, इंटरसेमेटर अंतराल की तिथियों आदि को उस संसद के लिए शैक्षणिक कैलेंडर में निधा औरत ह)गी। शैक्षणिक कैलेंडर 5) एक सेमेटर में कुल लगभग 90 काय दस उपल)ध कराने का यास करेगा।

सीनेट द्वारा निणय लिया जाएगा। समय-समय पर भारत सरकार के निणयों के अनुसार अ)य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, शारीरिक रूप से अ)म अ)य)थयों के लिए सीटें आरि)त ह)। एवं संबंधित वर्ष के लिए सीएसएबी द्वारा आयोजित उपबोधन (काउंसलिंग) के आधार पर वेश होता है। बोर्ड (सीबीएसई) के दशांशिन)ध) के अनुसार संयु) वेश परीक्षा (जेईई) में स और एससी परीक्षा में निष्पादन

डि)ी / अनंतिममाण प) और ऐसे अ)य दतावेजों की तियां तुत करेगा। इन दतावेजों को निधा औरत तिथि तक जमा करना होगा। यदि कोई छात्र निधा औरत तिथि तक आव)यक दतावेज तुत न) करता है अथवा वेश के लिए कसी अ)य निधा औरत द)ा हो, तो छात्र के वेश को सीनेट द्वारा बाद में कसी भी समय र) किया जा सकता है। अथवा अनुशासना)मक आधार पर उसके क)रर के कसी भी तर पर उसका पढ़ाई बंद करने के लिए कह सकता है।

गया है। असंतोषजनक उपस्थिति के आधार पर कसी भी छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है। आवंटित छात्रावास में आवासी के रूप में निवास करना होगा। किया गया है।

1) Hkkx II μ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 69

5.2 बिना पूर्व अनुमित के अनुपस्थित को अनुशासनहीनता का काय माना जाएगा। ऐसे मामले पर खंड 3.5 के अनुसार कारवाई की जाएगी।

6.2 आचरण और अनुशासन के बारे में 5) वि)त नियम परिशि) III में द) गए ह)।

छात्र, समय-समय पर संथान द्वारा अधिसूचित अवकाश के हकदार ह)गे। 7.2 22य सेमेटर अवकाश 7.3

सेमेटर अवकाश 6) तक छात्र अकादमिक कैलेंडर में नि)य) 22य सेमेटर अवकाश और वि)ाम

अवकाश कालाभ)ठाने के पा)ह)। अंतराल के अपनी पढ़ाई पूरी करनी होगी। यिप, वातविक कारणों एवं/अथवा असाधारण परिस्थितियों में, छात्र को दी जा सकती है। अनुपस्थित के ऐसे सेमेटर अवकाश, सेमेटर अवकाश सहित शैक्षणिक काय 7म का पूरी अविध के दौरान अथवा बिना अंतराल के दो सेमेटर से अधिक न) ह)गे। कसी भी

स्थित में, काय 7म का कुल अविध, अधिकतम वीकाय अविध के सात (7) वर्ष से अधिक न) होगी। छात्र

विभागा)य) को आवेदन प) (फॉर्म : बीपी -05) जमा कर)गे और फर इसे निम)वत भेजा जाएगा: 8.1 समा)यतया

6) तक काय 7म का एक विशेष शाखा में वेश पाने वाले छात्र काय 7म पू) होने तक उस शाखा में अ)ययन 8.2

यिप, विशेष मामले में संथान पहले दो सेमेटर के बाद सीएसएबी के माध्यम से एक छात्र को पढ़ाई का एक शाखा

से 8.3 दूसरे सेमेटर के बाद केवल उन छात्रों को शाखा/काय 7म में बदलाव के लिए यो)य माना जाएगा, जि)ह)ने

अपने पहले 8.4 पाठ्य) को शाखा/काय 7म में प)रवत न हेतु अव)य ही निधा औरत प) में आवेदन करना

चा)िए। शैक्षणिक अनुभाग 8.5 छात्र वरीयता के 7म में अपनी पसंद का उस शाखा/काय 7म को सूचीब) कर सकते

ह), जिसमें वे बदलाव करना चाहते 7. अवकाश, वि)ाम अवकाश एवं सेमेटर

येक शैAणिक वष के दूसरे सेमेटर के अंत म5 आवेदन मंगाएगा और पूण कए गए फॉर्म को अधिसूचना म5 िनयुदा अंतिम ह=। आवेदन जमा होने के बाद िवकप+ म5 फेरबदल करना अनुमत्य नहv होगा।  
अनुLप हो।

8.6 शाखा/काय 7म का प&रवत न आवेदक+ क मेधा के 7म अनुसार दढ़ता से कया जाएगा। इस योजन के िलए दूसरे 8.7 आवेदक+ को परपर मेधा के 7म म5 दढ़ता से शाखा / काय 7म म5 बदलाव करने क अनुमित, इस सीमा के अधीन दी जा 8.8 उपयु D िनयम+ के अनुसार कए गए शाखा / काय 7म के सभी प&रवत न संबंधित आवेदक+ के तीसरे सेमेटर से भावी सेमेटर के अंतम5 ाH सीपीआई पर िवचार कया जाएगा। बराबरी के मामले म5, आवेदक+ क जेईई र=क पर िवचार सकती है क कसी शाखा क छाB संeया, वत मान संeया से दस ितशत से कम नहv होनी चाहिए और वीकृत संeया

9.1 पाO7म+ का अ2यापन 7ेडिट म5 होगा; पाO7म हेतु 7ेडिट का िनधारण िन; िलिखत सामात्य पैटन के आधार पर होता

9.2 संधान क बी.टेक (ऑनस) क िडXी हेतु अह ता ाH करने के 7म म5 छाB से यह अपेिAत होता है क वह उस काय 7म 9.3 सामात्य Lप सेकसी भी सेमेटर म5 छह से अधिक jाेयान आधा&रत पाO7म और चार योगशाला पाO7म नहv है: )येक jाेयान अविध के िलए दो 7ेडिट) येक कूटो&रयल अविध के िलए दो 7ेडिट

9.5 कसी िवभाग के िलए कुल पाO7म पैकेज म5 िन; िलिखत घटक शामिल ह+गे: मानिक और सामाजिक िव?ानिक और गणित सामात्य अभियांिB क पाO7म

सामात्य अभियांिB क पाO7म विभागीय कोर पाO7म विभागीय वैकिपक पाO7म संधागत वैकिपक पाO7म (मानिक और समाज िव?ान एाछक सहित)

1Hkkx II μ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 71

v.

9.6 )येक बी.टेक (ऑनस) काय 7म म5 सीनेट (ारा अनुमोदत कोसY के िलए एक पाOचया और पाO7म होगा। 9.7 िशाण, परीAा और प&रयोजना &रपोटY का मा2यम अंXेजी होगा। 9.8 संकाय सलाहकार: छाB+ को अ2ययन के उनके पाO7म+ क योजना बनाने और शैAणिक काय 7म पर सामात्य सलाह

10.1 बी.टेक (ऑनस) पाO7म+ के )येक छाB से यह अपेिAत है क वह सेमेटर के ारंभ म5 शैAणिक कैलेंडर म5 पंजीकरण 10.2 थम (शरद ऋतु) सेमेटर के छाB+ का पंजीकरण संधान के शैAणिक अनुभाग (ारा क5sीय Lप से

आयोजित कया 10.3 यद कोई छाB अप&रहाय कारणवश पंजीकरण के िलए घोषित ितिथ पर अपना पंजीकरण नहv कर पाता है, तो 10.4 केवल उहव छाB+ को पंजीकृत करने क अनुमित होगी िजह+ने:

अनुपूरक परीAा और / अथवा XीQम ितिमाही

बाद भी उपरोD दोन+ िधितय+ को संतोषजनक ढंग से पूरा करने म5 िवफल रहने वाले छाB के िलए थम वष के बाद अपनी पढ़ाई बंद करने और संधान छोड़ना अपेिAत होता है। &टJपणी : पीिषय+ के एक सेट के िलए जीपीए क गणना िन; ानुसार क जाएगी:

10.5 दूसरे वष म5 पंजीकरण करवाने म5 सAम होने के िलए एवं अंत तक संधान म5 अपना अ2ययन जारी रखने वाले थम ख) िजसने वत मान सेमेटर के िलए सभी आव:यक शुक का भुगतान कर दया हो, और

(i) संतोषजनक ढंग से कम से कम 37 7ेडिट पूण हो, और (ii) Xेड Jवाइंट औसत (जीपीए) 6.00 से कम न हो िजसक गणना थूनतम 37 7ेडिट ाH करने के िलए उसके (ारा ाH करने म5 सहयोग करने के िलए, संबंधित िवभाग )येक छाB हेतु एक संकाय सलाहकार िनयुD करेगा।

जाएगा। अत्य सभी सेमेटर के िलए िवभाग के मुख क देख-रेख म5 पंजीकरण िवभागीय ज्वथा / ऑनलाइन आयोजित कारण+ पर िवचार करते, ए उसे संधान (ारानिधा &रत चिलत अित&रD िवलंब शुक के भुगतान पर अगले तीन काय दवस+ के भीतर देर से पंजीकरण कराने क अनुमित दी जा सकती है। आम तौर पर िनधा &रत ितिथ के बाद िवलंब से

ाHसव zेK Xेड के संयोजन के आधार पर क जाती है।

िवदेशी / भाषा िव?ान भाषा: एचएस 405

J5 चएचएस 407 जम नएचएस 409

जापानी एचएस 411 संकृत

$$GPA$$

$$=$$

$$\sum$$

$$\sum$$

$$i$$

$$p$$

$$=$$

$$1$$

$$i$$

$$P$$

$$=$$

$$C$$

$$1$$

$$i$$

$$C$$

$$g$$

$$i$$

$$i$$

जहाँ 'c<sub>i</sub>' सेटम5कसीविशेषविषय i के लिए आवंटित 7 डिजिटक संख्या है, और 'g<sub>i</sub>' उस विषयम5 छाB को दए गए लेटर 10.6 कसीभी तीसरे सेमेटर (शरद) के आगे से सेमेटर (बसंत) म5:  
 10.7 कोई छाB जो i) विषय िशA क िसफा&रश के अनुसार गैर संतोषजनक उपिथित के कारण अथवा ii) संधान (ारा 10.9 आगामी सेमेटर के लिए िथ और अित&रD विषय+सिहत सभी विषय+म5 छाB+का एक पूव पंजीकरण शैA िणक क) जो छाB िपछले शरद ऋतु सेमेटर के सभी विषय+म5 उगुीण , एह=वे संबंधित विषय के पाO7 मम5 िनयदा

क पुि, सामाथ्य पंजीकरण समय के दौरान होगी। कैल5 डरम5 तयक एजाने वाले समय थान के दौरान वत मान सेमेटर म5 आयोजित कया जाएगा। सभी पूव पंजीकरण अनुशासना) मक कार वाई iii) परीAाम5 कदाचार अपनाने के कारण कसी भी परीAा म5 सि0 मिलत होने से वंचित रह गया है

## और पंजीकरण माल पत्र 'ए'

स, यह करता है तो वह विहित विध क समाप्ति के बाद उस विषय (विषय) म पुनः पंजीकरण करा सकता है, बशतः इस विनियम के अन्तर्गत उपबंध उसे ऐसा करने से न रोकते ह। ग) वे छात्रों के पास एक

कोश या वैकल्पिक विषय म बैकलॉग है,

वे संबंधित सेमेस्टर म तुरंत एग्रेगेशन के लिए पंजीकरण करेगे। असफल रहे ह, उन्हें पहले उस सेमेस्टर म पढ़ाये जाने वाले कई बैकलॉग विषय म पंजीकृत करवाना चाहिए बशतः समय सारणी उह 5 क सी नए विषय म पंजीकरण क अनुमित दे। हालांकि, कुल 7 सेडिट 32 से अधिक न ह होने दया जाएगा अथवा

कम से कम एक बैकलॉग पेपर को वत मान सेमेस्टर के सामान्य सेडिट के अलावा

11.2 खंड ग पाली (i) असाधारण छात्र के लिए छात्र के लिए ओ (O) खंड। अधिकतम 15% छात्र को यह खंड दया जा सकता है। संबंधित शिक्षक (जो उसके) एक पाठ्यक्रम म लेटर खंड (अथा त ओ, ए, बी, सी, डी, पी, एफ, आई, एबीएस) से टर्मिनल -1, टर्मिनल -2, मिड सेमेस्टर परीक्षा, लैबरी, असाइनमंट, क्विज, क्विज, आंतरिक मूल्यांकन, पाठ्यक्रम म उपस्थित और अंतिम सेमेस्टर परीक्षा आद के लिए उचित अधिमान शामिल होगा।

1 Hkkx II μ [k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k 73

उपयुक्त पाठ लेटर खंड, उनके विवरण, और संख्या) म खंड अंक, 10 अंक वाले पैमाने पर (खंड अंक के लिए म जाना जाता है) (ii) ब, त आछे छात्र के लिए ए (A) खंड। अधिकतम 25% छात्र को यह खंड दया जाना चाहिए। (iii) आछे निष्पादन के लिए बी (B) खंड। अधिकतम 30% छात्र को इस खंड से सौमन्यत कया जा सकता है। (iv) औसत निष्पादन के लिए सी (C) खंड। 20% छात्र को इस खंड से सौमन्यत कया जा सकता है। (v) संतोषजनक छात्र के लिए डी (D) खंड। अधिकतम 10% छात्र को यह खंड दया जा सकता है। (vi) उद्गीर्ण निष्पादन के लिए पी (P) खंड। खराब निष्पादन वाले छात्र को यह खंड दया जाता है। (vii) एफ का अभिप्राय अनुद्गीर्ण से है। यदि छात्र का निष्पादन उपरोक्त सभी उद्गीर्ण से नीचे है, तो उसे यह खंड दया जा (viii) आई (I) खंड का अभिप्राय (चक्र) सा / प्राकृतिक आपदा से संबंधित आधार पर अपूर्ण से है। ऐसे छात्र को अनित (ix) एबीएस (ABS) का अभिप्राय परीक्षा म अनुपस्थित से है। के बगैर परीक्षा म सौमन्यत होने का एक और मौका दया जा सकता है।

|  |  |     |
|--|--|-----|
|  |  |     |
|  |  |     |
|  |  |     |
|  |  | 8   |
|  |  | 7   |
|  |  | 6   |
|  |  | 5   |
|  |  | 0   |
|  |  | 0   |
|  |  | 0   |
|  |  | 100 |
|  |  |     |
|  |  |     |

|  |  |
|--|--|
|  |  |
|--|--|

एबीएसआई एफ

बीओए

अनुपिथतअनुग्रीण

अपूण

|  |         |
|--|---------|
|  | 60 – 69 |
|  | 50 -59  |
|  | 35 -49  |
|  |         |

उसके निम्न पादनाउलेख करता है। यदि कसी छात्र को सभी पाठ्यक्रम में दानक एगए लेटर X से ड से जुड़े X से ड पाइंट्स के अलावा, जब कसी छात्र को बैक पेपर में उपिथत होने क अनुमित दी जाती है, तो नया लेटर X से ड एसजीपीए क गणना में पुराने लेटर X से ड को बदल देता है। संचयी X से ड जवाइंट औसत (सीजीपीए)

निम्न पादना को इंगित करता है। इस क गणना उसी विधि से क जाती है जैसे क सभी पाठ्यक्रम को 2 यान में रखते, ए, सेमेटर X से ड जवाइंट औसत (एसजीपीए) डीपी

और संगत ग्रेडिट  
गया है:

ह = तो एसजीपीए निम्नित दया  
35 से नीचे

सेमेटर से आरंभ होता है जिस में 'एफ' X से ड अतन कया गया है, वह X से ड के इस पंक्ति में न को 2 यान में रखते, ए पुनः

12.1 पूरे सेमेटर में छात्र के निम्न पादना निरंतर मूल्यांकन होगा और इस उद्देश्य के लिए विषय शिक्षक / समन्वय समिति (या X से ड दानक एजाएंगे) समन्वय समिति का गठन पं. रिशि IV में दया गया है। 12.2 क)

कसी विशेष विषय के लिए एक छात्र (या छात्र X से ड पर पंचने के लिए, आरंभ में 100 (सौ)

में छात्र (या छात्र एक संख्या) में अंकन धारा रत कया जाना है। उन विषयों के लिए जहां योगशाला घटक (पी-घटक) गैर-शुद्ध है, अलग-अलग अंक (यक 100 (सौ) में से, जिसका अंतर्गत (I- और टी-घटक)

में और योगशाला घटक का पहला पता लगाया जाना होता है। असफलता के मामले में (अथा त, 'एफ'

X से ड का करने वाले छात्र के मामले में निधारा रत कए जाने चाहिए, जैसा क पं. रिशि V में पाया गया है।

1. Hkx II [k.M 3(ii)° Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 75

घ) शिक्षक के आंकलन (टीए) के निम्न पादना में अंक देने के लिए, गृहकाय, कक्षा परीक्षण, कूटोत्तरयल, मौखिक परीक्षा, उपिथत आद परिवचार करना होता

है। कसी विषय के लिए कम से कम दो कक्षा परीक्षा आयोजित क जानी चाहिए। इस विषय के लिए जिस में जिसका अंतर्गत 1 (एक) होता है वहाँ में 2 सेमेटर अथवा अंत सेमेटर क परीक्षा न होनी चाहिए। जिसका अंतर्गत के अंक

कक्षा-परीक्षण, गृहकाय, कूटोत्तरयल, (यद कोई हो) मौखिक परीक्षा, उपिथत आद

में निम्न पादना से तय कया जाएगा।, ऐसे विषय के जिसका अंतर्गत के लिए न्यूनतम दो कक्षा परीक्षण कए जाने होते

ह = सेमेटर के आरंभ में योगशाला घटक (पी-घटक) में अंक देने के लिए जिनासंगिक उपघटक +

परिवचार कया जाता है वह = दैनिक काय, नियमितता, परीक्षण (न्यूनतम दो अवयव होने चाहिए), दये गए काय, मौखिक परीक्षा आद। अंतिम अंक तय करने में अलग-12.3 छठे सेमेटर के बाद X से ड अवकाश के दौरान आठ

सप्ताह के औसिक शिक्षण का आंकलन सातवें सेमेटर के आरंभ से निम्न द, 5,

जिसके आधार पर एक X से ड दानक कया जाएगा। छात्र से यह भी अपेक्षा है क वे विभाग के मुखको निधारा रत पत्र में

उस संगठन के साम अधिकारी (या जारी शिक्षण पूरा ताका माण पत्र त कर दें जहां से उसने शिक्षण लिया था।

बिना इस माण पत्र के उसका मूल्यांकन न हो कया जाएगा। 12.4 पं. रयोजना काय

का मूल्यांकन एक बार संख्या में अंकन करने के बाद, उसे पं. रिशि V में दए गए दशा निदर्शक का पालन करते, ए लेटर X से ड में 5) उस विषय के लिए जिस में जिसका अंतर्गत 1 (एक) से अधिक होता है, उपघटक एवं इनके लिए दये

गए संगत भार नीचे दए गए ह = शिक्षक का आंकलन (टीए) - 20% (5% उपिथत + 15% कक्षा परीक्षण और दये

गए काय) में सेमेटर परीक्षा - 30% अंत-सेमेटर परीक्षा - 50%

क) प&रयोजना म 5 शां मिलि विभाग गतिविधय + म 5 नि Q पादन का मूयांकन) येक सेमेटर के अंत म 5 जि D गत L प सेक या जा एगा जि स म 5 इ से पा O 7 म के अनुसार क या जा रहा है। छा B + को सेमेटर के अंत म 5 ए किलिखत & र पो ट तुत करना आव: यक है। वि भागा 2 य A मूयांकन के लिए एक प&रयोजना मूयांकन सिमित नि न यु D कर 5 गे। मूयांकन के वि भाग घटक + और इन घटक + को द ए ग ए अधिमान को नीचे दशा या गया है:

iii) मूयांकन बोर्ड सिमित का आकलन: 40% i) पय वे A क का मूयांकन: 40% ii) प&रयोजना & र पो ट / थीं सिस (बोर्ड (रा मूयांकन क या जाना है): 20%

12.5 वि भागा 2 य A पा O 7 म क आव: यकता के अनुसार ज्ञापक मौखिक परी A आ आयोजित करने के लिए मौखिक परी A आ ख) यद बी टेक (आनस) का कोई छा B आठ व 5 सेमेटर क समा हि तक प&रयोजना काय पूरा न होने क वजह से अंतिम प&रयोजना & र पो ट तुत न ह व करता है और शै A णिक कैल 5 डर के अनु ल पि व भाग (रा नि धा & र ति ति थ पर मूयांकन सिमित के समा तुत न ह व होता है तो उसे नि: लिखत शत Y पर दो माह तक का समय वतार द या जा सकत है: करेगा। से मि नार एवं मौखिक परी A आ, जो अंत सेमेटर परी A आ के दस दन + के भीतर आयोजित करने की तिथियां, शै A णिक कैल 5 डर म 5 घो षित ह + गी।

i) उसके (रा H X डे ड क तुलना म 5 एक X डे ड क म द या जा एगा, और ii) यद वह आगामी स B म 5 ला गू हो, तो उसके (रा उ पा ि ध क आव: यकता को पूरा क या, आस म झा

13.1 जब तक क अथ या अनुमित न हो, संधान का अकादिम क अनु भाग म 2 य-सेमेटर और अंतिम - सेमेटर के विषय + के 13.2 i) छा B को परी A आ म 5 सि 0 मिलत होने के लिए ए वेश प B केवल तब जारी क या जा एगा, जब उसने: 13.3 i) क A पारी A ण, म 2 य सेमेटर परी A आ, स प् पे ग ए काय, कू टो & र य ल, मौखिक परी A आ, योगशाला काय, आदि न रंतर मूयांकन 7 या के घटक होते ह =, और छा B को विषय के शि A क / सम व य सिमित (रा नि धा & र त इन सभी आव: यकता को अव: य पूरा करना चा हि ए। यद क सी बा 2 य कारी कारण + (जैसे उस क बीमारी, प&र वार पर आपदा आद) क वजह से कोई छा B नि धा & र त ति थ और समय के भीतर क सी भी आव: यकता को पूरा करने म 5 वि फल र ह त है, तो शि A क / सम व य सिमित संबंधि ति व भागा 2 य A के पराम श से इ स तर ह के क द म उ ठा सक ते ह = (जैसा कि त पू र क परी A ण + / परी A आ के संचालन सिहत) जि से वे उ चित सम झ 5।

ख) उस सेमेटर म 5 संधान और छा B आवास के सभी बकाया राशि का भुगतान क या हो। ii) छा B को सम व य सिमित के शि A क / अ 2 य A, के ति वेदन पर म 2 य सेमेटर अथवा अंत - सेमेटर परी A आ म 5 क) सि G आंत और योगशाला क A आ म 5 शि A क + क सं तु ि के अनुसार उ पि थित अभिलेख और द ए ग ए काय Y को क) उस अविध के दौरान ज्ञेयान / कू टो & र य ल / योगशाला क A आ म 5 उ पि थित सं तो ष जन क न ह व हो, और / सि 0 मिलत होने से वं चित क या जा सकत है, यद उस का / उस क पूरा क या हो।

या,

<sup>1</sup>Hkkx II μ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 77

13.4 छा B + को केवल उ ह व विषय + क परी A आ म 5 शां मिल होने क अनुमित दी जा एगी, जि न के लिए उ ह + ने सेमेटर के

13.5 क सी विषय म 5 छा B + को द ए ग ए अंतिम X डे ड को शि A क / अ 2 य A,

सम व य सिमित (रा परी A आ आयोजित करने की तिथि

से सात दन + के भीतर संबंधि ति व भागा 2 य A को तुत क या जाना चा हि ए जि स से क वे आगे सहायक / उप 13.6

अित & र D शै A णिक गतिविधय + (ई ए ए) म 5 नि Q पादन का मूयांकन इ ह 5 स 0 प ह करने वाले ा ि ध का & र य +

(रा क या जा एगा। X डे ड क सूचना नि: लिखत ा ि ध का & र य + (रा ई ए के सह-सम व य क: ए न ए स ए स / ए न ए स ओ

के मुख / डीन (छा B 13.7 क सी विषय म 5 छा B के X डे ड म 5 प & र वत न, संबंधि ति शि A क क ओर से चूक और / अथवा

क सी भी वाति व क B उ & ट का प ताल ग ने पर,

वि भागी य यू सी सिमित (रा अनुमोदित क या जाना चा हि ए और सम व य सिमित के शि A क /

अ 2 य A (रा अगले सेमेटर के आरंभ होने क तिथि से 20 (बीस)

द न + के भीतर संबंधि ति व भाग के मुख के मा 2 य म से अ X डे ष त क या 13.8

छा B + (रा सी ख ने क 7 या के L प म 5 और सभी क A पारी A ण +, म 2 य सेमेटर परी A आ, स प् पे ग ए काय

आद के सुधार के बाद 7 ज ट को परी A ण / परी A आ क तिथि से 4 स ह ा ह के भीतर छा B + को द ख या जा एगा। अंत -

सेमेटर परी A आ क ि 7 ज ट को अगले सेमेटर के आरंभ होने क तिथि से 15 दन + के भीतर द ख या जाना है।

ii) क) अंतिम सेमीटर परीAा म5 सि0मिलत होना - विषय के सिGांतघटक क सेमीटरपरीAाछाBके िलए अनिवाय है। जब

ख) यिप , यद कसीछाBको वयं कगंभीरबीमारीयाप&रवारम5कसीआपदा जैसे बा2यकारी कारण+ क वजह तकउसे खंड 13.3 ii ख)केअनुसारछूटनहवदीजातीहै जो नीचे उलेखित है,

यदकोईछाBअंतिमपरीAाम5उपिथतनहवहोपाताहै - तोउसेपरीAा के विषयम5 'एफ'

XेडदयाजाएगाऔरउसेXीQम ितमाहीम5पंजीकरणकअथवा उस विषय क पूरक परीAा जैसा क

7मशःखंड 13.8 और 13.10 म5 िनधा &रत है,म5 शािमल होने क से अंतिमसेमीटरकपरीAा छूट जाती है, तोवह छाB अपने विभागा2यA के मा2यम से XीQम ितमाही अथवा पूरक परीAा,जैसी भी िथित हो, म5पंजीकरण क अनुमित हेतु छाB मामल+ के डीनसेअपीलकरसकताहै।6ातक काय 7म एवं मूयांकन सिमित क उप सिमित िजसम5 िन;िलिखतसदयहोतेह=,

दतावेज+कजांचकरनेऔरमामलेकयोयताकेबारेम5आतहोनेकेबाद,

उसेXीQमकालीनितमाहीम5पंजीकरणकरनेकअनुमितदेनेऔर / अथवा पूरकपरीAा म5पूण

7ेडिटकेसाथउसक अनुपिथित को माफ करते ,ए सि0मिलत होनेकिसफा&रशकरसकतीहै।ii)

छाBमामल+केडीन - अ2यA ii) शैAणिकमामल+केडीनiii) संधानिचक)सक अथवा

संधान(ाराइसउ9े:यकेिलएमाय कोईचक)सकiv) उप कुलसिचव (अकादिमक) - सिचव

13.9 छाB+कसहायताकेिलए, जोएकवष म5शरदऋतुऔर /अथवा वसंतसेमीटरम5एक अथवा

एकसेअधिकविषय+म5 अनुगुीण रहे,

उनककमीकोपूराकरनेऔरिनQपादनम5सुधारकेिलएXीQमकालीनअवकाशकेतुरंतबादएक XीQम ितमाही

आयोिजितकयाजाएगा। XीQम ितमाही चलानेकेिनियमप&रिशः V म5दएगएह=।ह=।अकादिमक अनुभाग

(ारा क5सीय LP से jविथत अंतिम सेमीटर के बराबर पूरक परीAाएँ,हर वष (अगले सB के आरंभ होने से

पहले) जुलाई केमहीनेम5आयोिजितकजाएगी।पूरकपरीAासेसंबंधितविनियमप&रिशः VI म5दएगएह=।

सिमित (यूजीपीईसी) किसफा&रशपरसीनेट, बी टेक (ऑनस )उपाधि

केिलएसभीआवःयकताJकोपूराकरनेकेिलए

14.2 जबनयापा07मतैयारकयाजाताहै तो उपाधि दान करने के िलए fयूनतमकुल7ेडिटआवःयकताJ का िनधा

रण सीनेट(ारातयकयाजाएगा,िजिहे संतोषजनकढंगसेपूराकयाजानाहै । 14.3 सामायतय कसी छाBकोबीटेक

(ऑनस ) क उपाधि केिलएआठसेमीटरम5लगातारसभीआवःयकताJकोपूराक))येक विषयम5fयूनतम Xेड

'पी'के साथ उस विषय के पा0 विवरण म5 िनधा &रत

सभी7ेडिटआवःयकताJकोपूराकर5।ख)सेमीटरकेअंतम5 6.00 अथवा

उससेअधिककासीजीपीएHकर5िजसम5वहिडXीकेिलएसभीआवःयकताJग) उसने संधान, छाBावास,

पुतकालय औरिवभाग के सभी बकायारािश का भुगतान कया हो ।

िलएअह ताHकरनेम5सAमनहवहोगािजसकेिलएउसेखंड 13.3 म5िनयदि समयसीमाकेभीतरवेशदया

गया,आ15.1 कोई छाB िजसे संधान के एक िडXी कोस म5 वेशदया गया है, लंबी बीमारी अथवा प&रवार म5

कोई गंभीर समया िजसक वजह से उसे घर म5 रहने के िलए बा2य होना पड़े, के आधार पर उसे एकसेमीटर क

अविध अथवा अधिक के िलए अथायी LP से नाम वापस लेने क अनुमित दी जा सकतीहै,बशतP:

<sup>1</sup>Hkx IIμ[k.M 3(ii)<sup>o</sup> Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 79

क)वह सेमीटर आरंभ होने के 15 दन+ के भीतर या उस ितिथ से संधानम5 आवेदन करता है, िजस ितिथ को उसने अपनी कAाJ म5 अंतिम LP से भागिलया था,जो भी बाद म5 हो। आवेदन म5 इस तरह कनाम वापसी के पूरा कारण का उलेख एवं, सहायक दतावेज+ के साथ िपता / अभिभावक के हताAR ह+।ख)संधान इस बात से संतुं होक, नामवापसी क अविध को शािमल करते ,ए, छाB(ारा13.3 खंड म5 िनयदि समय सीमा के भीतर उपाधि के िलए अपनी आवःयकताJको पूरा करने क संभावना है।

15.3कसी छाB को संधान के छाB के LP म5 उसके काय काल के दौरान केवल एक ही बार अथायी नाम वापसी दी सीनेट के पास, समय-समय पर जैसाक वह उचित समझे ,पदक और पुरकार आरंभ करने का अधिकार होगा।

सीनेट, असाधारण प&रिथितय+ म5, छाB के कसी भी मामले पर विचार कर सकता है, िजसम5 इन विनियम+ म5 बताई गई दी जाएगी।िजन आधार+ पर इस तरह क छूट दी गई है, उह5 सदैव &रकाड कया जाएगा

औरउह5पूव ता के LP म5 उधृत नहव कया जा सकता है।

छाB+ क िनवास आवःयकताJ को शािसत करने वाले िवतृत िनयम िनःिलिखत हःक. छाBावासके )येक हॉल के भोजनालय कसी एकल एककृत इकाई के LP म5 काय कर5गे औरकसी भी प&रिथित म5 ख.संथान के िनदेशक / छाB मामल+ के डीन, िवशेषप&रिथितय+ म5छाB को प&रसर म5या संथान से उचित दूरी के भीतर अपने माता-पिता / अभिभावक के साथ रहने क अनुमित दे सकते ह=।यिप ऐसाछाB, छाBावाससे जुड़ा होगा और का भुगतान करना होगा। यिप, इस अनुमित को संथान अपने िववेक से कसी भी समय उचित समझे जाने पर िबना कारण बताए वापस ले सकता है।घ. अ2यA, हॉल बंधन सिमित (एचएमसी) क पूव अनुमित के िबना कोई भी छाBछाBावास के कसी भी हॉल म5 न तो आएगा और न ही आवं&टत आवास को छोड़ सकेगा।

िनवास आव4यकता8 से संबिःधत िनयम

#### परिश7 -I

ड छाB अपने आवं&टत कमरे म5 ही िनवास करेगा और केवल वाड न के िनदPश / अनुमित पर ही कसी अथ कमरे म5 च छाB+ को, िनरीAण, मर0मत, रखरखाव या कटाणु रिहत करने के िलए जब भी आवःयक होअपने कमरे उपलपध करवाने छ. फनTचर क उचित देखभाल के िलए छाB िज0मेदार ह+गे। छाB, आमतौर पर आवं&टत कमर+ के पंखे और अथ उपकरण+ क उचित उपयोग म5 वाड न क सहायता कर5गे। सभी छाB सामाथ्य उपयोग के हॉल के देखभाल और सुरिAत रखने हेतु ज.छाB अपनीसंपिुकोसुरिAतरखनेके िलएवयं िज0मेदारह+गे।चोरी, याकसीअथकारणसेकसीछाBककसीभी िनजीसंपिुकेनुकसानकिथितम5, संथानकोईज0मेदारीवीकारनह+करेगाऔरकसीभी ितकर केभुगतानकेझ. छाBावास म5 कसीछाB (ारा िडिगत प&रचर, पालतू जानवर+ को रखना और िबजली के हीटर, रेजरेटर आद जैसे ज. सभी छाB+ को समय-समय पर बनाए गए छाBावास के िनयम+ और िविनयम+ का अनुपालन करना अपेिAत है।

1. सभीकAाJ (जाेयान, कूटो&रयल, योगशालाJ, काय शालाJ, ईएए सहित इसके संबंधित िशिवर+ और अथ 2. संबंधित िशाक अप&रहाय कारण+ से, ई अ)यंत लघु अविध क अनुपिथित को माफ़ कर सकते ह=, बशतP क वह 3. क)यदअनुपिथित, लघु अविध (दो सHाह से अधिक नह+व) के िलए है, तो सहायक दतावेज के साथ अनुरोिधत ख)कसीसेमेटर म5 बीमारी अथवा कसी अथ अप&रहाय कारण से दो सHाह से अधिक कअविध क अनुपिथित, िजसके 4.यदअनुपिथित क अविध दो सHाह से अधिक होने क संभावना है, तो सहायक दतावेज+ के साथ अवकाश हेतु पूव आवेदन िवभाग के िवभागा2यAके मा2यम से डीन, अकादिमक मामले के पास तुत करना होगा।छाB के संथान म5 डीन (अकादिमक मामले) (ारा इस तरह के अवकाश को दान करने अथवा माफ़ करने का िनण य िलया जाएगा।उपिथित होने के एक सHाह के भीतर वथता माण पB तुत करने के उपरांत ही िवभागा2यA क उचित िसफा&रश पर 5.

यहछाBकिज0मेदारीहोगीकवहकAाJसेअपनीअनुपिथितहेतु सAम ािधिकारी से माफ ाH करे।चा&रत गितिविधय+ आद) म5 उपिथित अनिवाय है।यद कसी छाB क उपिथित 75% से कम है तो उसे परीAाम5

अवकाश के िलए अवकाश का ाथ नापB िजसम5 कारण+ का पूण उलेख हो संबंधित िवभाग के िवभागा2यA के पास िलए पूव आवेदन नह+ कया जा सकता है, िवभागा2यA (ारा माफ़ क जा सकती है बशतP क वह पािीकरण सेसंतुः उपिथित संबंधी िनयम

#### परिश7-II

<sup>1</sup>Hkkx IIμ[k.M 3(ii)<sup>o</sup> Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 81

6. कसी भी कार के अवकाश पर जाने से पहले छाB अपनी अनुपिथित क सूचना उस हाल (छाBावास) के वाडPन को देगा

म5 दािखल होने वाले नए छाB+ के ित दयाभाव और 2यान रखना अपेिAत है। कानून, कसी से भी, कसी कार क रैगग

• वेश अथवा छाBवृिु आद के िलए आवेदन के LP म5 कसी भी कार का अस)य िववरण तुत करना।•

िशिाचार क कमी, प&रसर के भीतर या बाहर कह+ भी अशोभनीय ज्वहार करना।• संथान, हॉल या साथी छाB+ क कसी भी संपिु / सामान को पूरी तरह से AितXत या चुपके से हटा देना।• मादक पेय या कसी भी कार क ांति जनक औषिध रखना, उसका सेवन करना अथवा उसका िवतरण करना।• परीAाम5 अनुिचित साधन+ को योग करना।छाB मामल+ के डीनक पूव अनुमित के िबना दूसर+ के साथ अथवा प&रसर केबाहर कंपनी म5 कसी भी सामूिहक गितिविध • पुतकालय क पुतक+ कोनुकसान प,ंचाना अथवा उहे अनिधकृत LP से रखना।• शोरगुल और अशोभनीय ज्वहार का सहारा लेना, साथी

छाB+ क पढ़ाई म5 बाधा डालना। • कसी भी अवकाश पर जाने से पहले हॉल के वाड न को अपनी अनुपिथित क सूचना न देना। 4. (क) छाBावास (ख) विभाग अथवा कAा म5 एवं (ग) कहv अथB अपराध करने पर 7मशःवाड न, विभागा2यA और छाB मामल+ के डीन, के पास फटकार लगाने या जुमा ना लगाने या कोई अथ उपयुD उपाय करने का अधिकार होगा। फटकार के अलावा सजा से जुड़े सभी मामल+ को थायी अनुशासन समित के अ2यA को सूचित कया जाएगा। अपराध क गंभीरता के अनुसार, फटकार (नदा), अथ दंड, हॉल से निQकासन, परीAा से वंचित करना, एक निyदा छाBसंथान के शिAक+, छाBावास के वाडPन, जिमखाना के खेल अधिकारी, राFीय सामाजिक सेवा के अधिका&रय+ छाB+ को अपने साथी छाB+ के साथ एक मैBीपूण संबंध बनाना आवःयक है। विशेष LP से, उह5 )येक वष संथान भूल-एवं चूक के निःिलिखत काय आचार संहिता के घोर उलंघन माने जाएंगे और अनुशासना)मक कारवाई के आचरण एवं अनुशासन संबंधी नियम

### परिश7-III

5. (क) अनुशासनहीनता के सभी बड़े मामले, जिनके गंभीर प&रणाम छाB समुदाय पर हो सकते ह=, और / अथवा जिसम5 जांच क एक समान और जापक औपचा&रककृति क आवःयकता हो, सीनेट (ारा नियुD संथान क थायी अनुशासन समित (ारा नियंBित ह=गे। समित म5 निः पदेन सदय और अथ सदय होते ह=:

1) छाB मामल+ के डीन - अ2यA 2) छाBावास बंधन समित के अ2यA 3) संबंधित छाBावास के वाड न, जिसम5 छाB निवास करता है। 4) सीनेट (ारा नामित एक संकाय सदय, दो वष के लिए च7ानु7म (ारा। 5) छाB उपा2यA, औोगिक छाB जिमखाना 6) सीनेट म5 छाB तितिनिधय+ म5 से एक, जो छाB मामल+ के डीन (ारा एक वष के लिए नामित होगा। 7) उप कुलसिचव (अकादिमक) — सदय सिचवइसके अलावा, अ2यA कसी अथ जिD (जिDय+) को कसी विशेष मामले क काय वाहीसे जुड़ने के लिए आमंBित कर सकता है, यद मामले को निपटाने उह5 आवःयक माना जाता है। (ख) समित क सिफा&रश, जिसम5 अपराध सिG होने के मामले म5 सुझाई गई सजा शामिल है, को आवःयक कारवाई के लिए 6. परीAा म5 अनुचित साधन+ को अपनाने के मामले को परीAा समित (ारा निपटारा जाएगा जिसम5 निःिलिखत सदय )येक मामलेम5 समित सजा देने हेतु सीनेट के अ2यA को उचित उपाय सुझाएगी। 1. परीAा भारी ोफेसर - अ2यA 2. उस विभाग के मुख, जिससे तिवेदत छाB संबिधत है - सदय 3. मामले क सूचना देने वाले कA निरीAक - सदय 4. संबिधत परीAा कA के भारी निरीAक - सदय 5. संबिधत। पाB बनाने वाले शिAक - सदय 6. 6ातक काय 7म (ारा नामित संकाय सदय (दो वष क अविध के लिए)-सदय 7. मूयांकन समित (ारा नामित संकाय सदय (दो वष क अविध के लिए)-सदय 8. सहायक / उप कुलसिचव (अकादिमक) – सिचव

संरचना: )येक विषय जिसे एक अथवा अधिक विभाग के fs+ के एक से अधिक शिAक+ (ारा पढ़ाया जाता है, के लिए से एक समवय समित गठित होगी। )येक समित म5 उन सभी शिAक+ को शामिल कया जाएगा जो सेमेटर के दौरान विषय के इसके सदय+ म5 से एक, जिसके अधीन वह विषय पढ़ाया जा रहा हो उस विभाग के मुख (ारा नामित कया जाएगा जो समित के अ2यA के LP म5 काय करेगा। उस सेमेटर तक जिसके दौरान वह विषय पढ़ाया जा रहा हो।

उस सेमेटर के दौरान )येक समवय समित क कम से कम चार बार बैठक होगी।

2.1 XीQमकालीनितमाही क अविधमई के म2यसे जून के अंत तक लगभग सात सHाह कहोगी। कसी विशेष सB के लिए XीQमकालीनितमाही रखने क उपयुD तिथि )येक वष सीनेट (ारा अकादिमक कैलेंडर को अंतिम L पदेते समय तय क जाएंगी।

कायकालः कायः

iii) समय-समय पर उन छाB+ के निQपादन क समीAा करना जो विषय म5 पंजीकृत ह=। iv) उस विषय को पढ़ने वाले )येक छाB (ारा परीAाJ म5 ाH प&रणाम एवं अंतिम Xेड के प&रणाम+ को संबंधित v) उस विषय पर। पाB को संयत बनाना और यह सुनिश्चित करना क। पाB म5 पाO7म को अच्छी तरह से कवर i) विषय के लिए पाO7म योजना निधा & रत करना।

कया गया हो।

1.1 6ातक छाB+ क किमय+ को पूरा करने म5 सA मबनाने के लिए )येक वष XीQम अवकाश के दौरान XीQम तितमाही 1.2 यद कोई पाO7म चलाया जाता है तो 4 वषाय बी.टेक (ऑनस) छाB+ को XीQम



|  |  |
|--|--|
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

(शैक्षणिक) को अवयव भेजना चाहिए।

बदलकर पूरक परीक्षा में बनाए गए कुल अंक से पुनः पूरक किया जाएगा। जब तक खंड 13.3 ii) (बी) में विनियमन हकदार होगा, जिसका इसका क्विंटिल पादन 'पी' में कोई फेरबदल न किया गया हो जैसा कि नीचे दी गई तालिका पूरक परीक्षाएं उचित विधियों पर आयोजित होंगी जो उस वर्ष के अकादमिक कैलेंडर में निम्नलिखित हों अथवा

सीडीपीडीपीपी

संस्थान, लिखित विनियम के अनुसार 4 वर्षों में बी टेक (ऑनर्स) के सभी पाठ्यक्रमों को योज्यता-सह-साधन के आधार पर परिशिष्ट - VIII

वर्ष

के जून के महीने तक देय होगी। जाएगी। किसी पुरस्कार विजेता को किसी अन्य स्तर से किसी अन्य छात्रवृत्ति के लिए पाठ्यक्रम के विनियमों में, उसके शत (शतांश) में होगा : (ख) जुलाई के महीने के लिए छात्रवृत्ति का जुलाई में तारीख पर वाहक एबना पूरी तरह से भुगतान किया

(क) छात्र इन छात्रवृत्तियों के लिए निम्नलिखित और योज्यता संबंधी मानदंडों को संतुष्ट करता है। (ख) छात्र के माता-पिता/ अभिभावक छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए निम्नलिखित और मानदंडों को संतुष्ट करते हैं। (ग) पिछले वर्ष के दौरान उसके पिछले कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई हो। (क) नए वेश्याने वालों के लिए, छात्र को एआईईईई के लिए अहमक परीक्षा में कुल 60% अंक अथवा ये छात्रवृत्तियाँ (यदि) एक वर्ष में एक बार 70% से अधिक छात्रों को नए एमसीएम छात्रवृत्ति धारक सभी छात्र संस्थान के शिक्षण शुल्क के भुगतान से छूट के हकदार होंगे। हालाँकि, (क) एमसीएम छात्रवृत्ति शैक्षणिक सभी 12 महीने के लिए, उस वर्ष के जुलाई के महीने से अगले जाएगा जब संस्थान की शीर्षक कालीन अवकाश के बाद फरसे खुलता है, बशर्त कि छात्र पंजीकरण निम्नलिखित और तिथि पर संस्थान में शामिल हो जाए। अतः, जुलाई के महीने के लिए छात्रवृत्ति का भुगतान अनुपातिक आधार पर किया जाएगा। आरंभ में छात्रवृत्ति का मिलना और उसका वांछित नवीनीकरण उचित आवेदन के माध्यम से निम्नलिखित 60% अंक के अनुपात में खंडाई करने चाहिए।

<sup>1</sup>Hkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vllk/kj.k 87

10.

में उपस्थित होना चाहिए (बीमारी या पेशेवर में आपदा को छोड़कर)। अनुपस्थित दतावेज (श्रावण) में होनी चाहिए जो निम्नलिखित साधन के साथी पर खरे उतरते हैं, लेकिन निम्नलिखित मेधा संबंधी मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ 9.

लिखित मानदंडों के लिए पदों में लागू किया जाएगा। सभी शुल्कों से पहले पूरे, विद्यार्थी वर्ष के दौरान आय को इस उद्देश्य के लिए 25% में खर्चा जाएगा। (ख) बाद के नवीनीकरण के लिए, पूर्व वृत्ति के दौरान आय को इस उद्देश्य के लिए 25% में खर्चा जाएगा, अतः, संबंधित दो एसजीपीए का औसत, जैसा कि अंतिम पूरक / शीर्षक कालीन निम्नलिखित परीक्षा के बाद अतः न किया गया है, 7.00 से कम नहीं होना चाहिए। भारत सरकार (श्रावण) में समय पर निम्नलिखित और वांछित आय को परीक्षा में छात्रवृत्ति दान करने के पुरस्कार के अनुदान नवीनीकरण से पहले, विद्यार्थी वर्ष के लिए एक निम्नलिखित आय को अंतिम उपलब्ध छात्रवृत्ति देने के लिए दो या अधिक आवेदकों के बीच बाँटने के विनियमों में, उसमें छात्रवृत्ति धारक को परिशिष्ट - II में निम्नलिखित और सभी विनियमों का पालन करना चाहिए सभी सेमेस्टर परीक्षा में संस्थान और छात्रों का कब का या राशि, यदि कोई हो, तो उसे स्तर से काटा जाएगा और शेष राशि का

Indian Institutes of Information Technology (Public-private Partnership) Act, 2017 (23 of 2017), the Senate with the approval of the Board of Governors, make the following Ordinances of Indian Institute of Information Technology, Ranchi.

सीनेटके पास बगैर कसी सूचना के, पाठ्यक्रम, 7वा, आव:यकताएँ, परीक्षा, वेश और अपने छात्रों के

**S.O. 3811(E).**—In exercise of the powers conferred by section 33 read with section 34 (1) (2) and (3) of the सुखबीर सह संघ, अपर सिचव (त.श.) [फा. सं. 52-2/2017-टीएस.1]

### **B.Tech. (Hons) Programme Ordinance**

#### **1. Introduction**

The objectives of the Undergraduate Programme at the Indian Institute of Information Technology Ranchi (IIIT Ranchi) are:

- To provide the highest level of education in technology and science and to produce competent, creative and imaginative engineers and scientists,
- To make a significant contribution towards the development of skilled technical manpower, and
- To create an intellectual reservoir to meet the growing demands of the nation.

The undergraduate programmes are designed to achieve these objectives and to inculcate in the student concepts and intellectual skills, courage and integrity, awareness of and sensitivity to the needs and aspirations of the society.

The provision contained in these Manual will govern the conditions for imparting courses instructions, conducting examinations and evaluation of student's performance leading the 4-years courses in Engineering/Technology leading to the award of B.Tech (Hons.) degree.

1.1 All B. Tech. (Hons.) programmes offered by the Institute shall be governed by these B.Tech Ordinances. 1.2 The B. Tech Ordinances shall be applicable to any new discipline(s) under these programmes that may be introduced in future.

1.3 A student becomes eligible for the award of the B.Tech degree after fulfilling all the academic requirements as prescribed by these Ordinances.

1.4 The Institute shall have the following B.Tech branches: •Computer Science Engineering (CSE)  
•Electronics and Communication Engineering (ECE)

1.4.1 The provisions of this Regulation shall also be applicable to any new disciplines that are introduced from time to time and added to the list in section 1.4.

1.4.2 The Board of Governors may, on the recommendation of the Senate, change any or all parts of this Regulation at any time considered appropriate by the Senate.

#### **1.5.1 Senate Under-Graduate Committee (SUGC)**

The Senate Undergraduate Committee, established according to the bye-laws of the Senate, consists of one representative (Convener UGC) from each of the academic departments and interdisciplinary programmes and four additional members of whom two are Senate representatives and two undergraduate students (from third and fourth year), nominated for the purpose from the class seniors. The Chairperson of the SUGC, shall be amongst the conveners of SUGC and approved by the Senate, and shall convene and preside over the meetings.

The SUGC has jurisdiction in the following matters concerning the undergraduate programmes of the institute:

- Formal approval of new courses of instruction,*
- Desirable modifications of courses already approved,*
- Credit valuation of courses,*
- Formal approval of advance standing to the students readmitted to first year,*
- Granting of degrees,*
- Evaluation of academic performance and*
- Such other related matters as may be referred to it by the Senate*

Functions of the SUGC consist primarily of general policy determination, coordination and review, but, the Senate retains the power of final review and decides such matters as may be brought in appeal before it. In discharging its responsibilities, the SUGC shall make full use of the appraisals and recommendations of the various academic departments concerned. The SUGC has two standing sub-committees, namely Curriculum Committee (CC) and Academic Performance Evaluation Committee (APEC), and is assisted by the Departmental Undergraduate Committees (DUGCs).

The Chairperson of SUGC nominates the Conveners of both CCC and APEC. These Conveners, in consultation with the SUGC Chairperson, form their respective committees consisting of five faculty members drawn from amongst the SUGC members. The CCC oversees the core curriculum, coordinates its various facets and performs all other relevant functions. The APEC evaluates the academic performance of the undergraduate students to make recommendations regarding (i) their further programme of studies and (ii) action to be taken in the case of deficient students. *Both these committees make their recommendations to the SUGC.*

#### 1.5.2 Department Undergraduate Committee (DUGC)

The Department Undergraduate Committee (DUGC) is constituted by the Head of the Department in consultation with the faculty members of the department. It consists of a convener, the Head of the Department, the convener of the DPGC, a minimum of two and maximum of four faculty members, two student representatives and one faculty member

<sup>1</sup>Hkkx IIm[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 89

from the other department/programme. The convener of the DUGC is nominated by the Head of the department for a period of two years. Student's representative and external faculty members will be nominated by the Dean (Academic Affairs). The students shall be nominated from the third and fourth year class seniors. The tenure of the faculty members shall be of two years, half of them retiring each year.

The DUGC is responsible for the following

- i) Supervision and conduct of lecture, tutorial and practical classes.
- ii) Supervision and conduct of class tests, quizzes, practical tests, end semester examination, seminar and project presentation.
- iii) Monitoring of quality of instructions to students
- iv) Proposing and implementing new courses and program
- v) Attending to the problems of students and advising them in academic matters.
- vi) To obtain feedback of the performance appraisal of the course instructors from the students in the prescribed format( Form UG-01 & UG-02)

The DUGC is expected to have its meeting regularly and to keep record of its decisions

#### 1.6 Office of the Dean of Academic Affairs

The office of the Dean Academics (DA), called the Academic Section, is responsible for the implementation of the decisions taken on academic matters by the Senate and the SUGC. It (i) receives, processes and maintains all records relating to the undergraduate programmes including curricula, courses offered, academic calendar, registration, leave, examinations, grades and award of degrees and prizes, (ii) disseminates information pertaining to all academic matters, (iii) issues necessary memoranda/orders, (iv) acts as a channel of communication between the students, instructors, departments/ interdisciplinary programmes and SUGC. The under-graduate (UG) office of the Academic Section assists the SUGC and its subcommittees in their tasks.

### 2. Academic Calendar

2.1 The academic session is divided into two semesters each of approximately 20 weeks duration: an Autumn Semester (July — December) and a Spring Semester (December May).

2.2 The Senate — approved schedule of academic activities for a session, inclusive of dates for registration, mid — semester and end — semester examinations, inter — semester breaks etc shall be laid down in the Academic Calendar for the session. The Academic Calendar shall strive to provide for a total of about 90 working days in each semester.

2.3 In addition, there may be a semester during the summer break, called a summer semester.

### 3. Admission

3.1 The number of seats in each branch of the undergraduate programme for which admission is to be made in the IIIT Ranchi will be decided by the Senate of IIIT Ranchi. Seats are reserved for candidates belonging to Other

Backward Classes, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, physically challenged candidates as per the decisions of Government of India from time to time.

3.2 Admission to the B.Tech programme in any year will be based as per orders from the Government of India. Currently they are based on performance in the Joint Entrance Examination (JEE) Main and HSC examinations as per Central Board of Secondary Education (CBSE) guidelines through a counselling conducted by the CSAB for the respective year.

3.3 Every student, admitted provisionally or otherwise to any Programme of the Institute, shall submit copies of the qualifying degree/provisional certificate and such other documents as prescribed by the Senate. These documents must be submitted by the prescribed date.

The admission, provisional or otherwise, of any student who either does not submit the required documents by the stipulated date or fails to meet any other stipulated requirement for admission can be cancelled by the Senate.

3.4 The admission of any student may also be cancelled by the Senate, at any later time, if it is found that the student had supplied some false information or suppressed some relevant information while seeking admission.

3.5 The Institute reserves the right to cancel the admission of any student and ask him/her to discontinue his/ her studies at any stage of his/her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or on disciplinary grounds.

#### **4. Residence**

4.1 The Institute is essentially a residential one and unless otherwise exempted/permitted, every student shall be required to reside in and be a boarder of a Hall of Residence, to which he/she is assigned.

4.2 The terms and conditions that a student must fulfill during his/her stay in a Hall of Residence are mentioned in Appendix I.

#### **5. Attendance**

5.1 Attendance in all classes (lectures, tutorials, laboratories, workshops etc.) for which they have been registered. A student may be debarred from appearing at an examination on ground of unsatisfactory attendance.

5.2 Absence from without prior permission will be considered as an act of indiscipline. Such classes will be dealt with in accordance with clause 3.5.

5.3 Detailed rules regarding attendance in classes etc. are given in Appendix II

#### **6. Conduct and Discipline**

6.1 Students shall conduct themselves within and outside the precincts of the Institute in a manner befitting the students of an institution of national importance.

6.2 Detailed rules regarding conduct and discipline are given in Appendix III

#### **7. Holidays, Vacation and Semester Leave**

7.1 Holidays: Students shall be entitled for Institute Holidays as notified from time to time

7.2 Mid-Semester Vacation: Undergraduate students are entitled to avail of mid-semester recess and vacation as specified in the Academic Calendar.

7.3 Semester Leave: A student shall not be allowed to withdraw from the Academic Programme temporarily and shall complete his/her studies without any break. However, for bonafide reasons and/or in exceptional circumstances, a student may be allowed to withdraw temporarily for a Semester with prior approval of Senate on the recommendations of the SUGC. Such Semester leave of Absence(s) shall not exceed two semesters with or without break during the entire period of the Academic Programme including Semester Leave. In no case, the total duration of the Programme, shall exceed the maximum permissible duration of seven(7) years.

#### **8. Change of Branch**

8.1 Normally a student admitted to a particular branch of the undergraduate programme will continue studying in that branch till completion.

8.2 However, in special cases the Institute may permit a student admitted through CSAB to change from one branch of studies to another after the first two semesters. Such changes will be permitted, in accordance with the provisions laid down hereinafter.

8.3 Only those students will be considered eligible for change of branch/programme after the second semester, who have completed and passed all the common credits required in the first two semesters of their studies in their first attempt.

- 8.4 Applications for a change of branch/programme must be made by intending eligible students in the prescribed form. The academic section will call for applications at the end of second semester of each academic year and the completed forms must be submitted by the last date specified in the notification.
- 8.5 Students may enlist their choices of branch/programme, in order of preference, to which they wish to change over. It will not be permissible to alter the choices after the application has been submitted.
- 8.6 Change of branch/programme shall be made strictly in order of merit of the applicants. For this purpose the CPI obtained at the end of the second semester shall be considered. In case of a tie, the JEE rank of the applicants will be considered.
- 8.7 The applicants may be allowed a change in branch/programme, strictly in order of inter se merit, subject to the limitation that the strength of a branch should not fall below the existing strength by more than ten percent and should not go above the sanctioned strength by more than ten percent.
- 8.8 All changes of branch/programme made in accordance with the above rules will be effective from the third semester of the applicants concerned. No change of branch/programme shall be permitted after this.
- 8.9 All changes of branch/programme will be final and binding on the applicants. No student will be permitted, under any circumstances, to refuse the change of branch/programme offered.

## 9. Course Structure

- 9.1 Teaching of the courses shall be reckoned in credits; Credits are assigned to the courses based on the following general pattern:

- i. Two credits for each lecture period
- ii. Two credits for each tutorial period
- iii. One credit per hour for each Laboratory or Practical or Project session.

- 9.2 In order to qualify for a B. Tech. (Hons.) degree of the Institute, a student is required to complete the credit requirement as prescribed in the curriculum for a particular programme.

- 9.3 No semester will normally have more than six lecture based courses and four laboratory courses.

However, in special cases, students may be permitted to take seven lecture-based courses.

- 9.4 The course work requirements may be broadly divided into following four main groups of courses: i.

- i. Humanities and Social Sciences
- ii. Science and Mathematics
- iii. Common Engineering courses
- iv. Professional courses

- 9.5 The total course package for a department will consist of the following components :

- i. Common Engineering courses
- ii. Departmental Core courses
- iii. Departmental Elective courses
- iv. Institutional Elective courses (including HSS electives)
- v. Foreign/Linguistics Language:
  - HS405 French
  - HS407 German
  - HS409 Japanese
  - HS411 Sanskrit

- 9.6 Every B. Tech. (Hons.) Programme will have a curriculum and syllabi for the courses approved by the Senate. 9.7 Medium of instruction, examination and project reports will be in English.

- 9.8 Faculty Advisor: To help the students in planning their courses of study and getting general advice on the academic programme, the concerned department will assign a Faculty Advisor to each student.

## 10. Registration

- 10.1 Every student of the B.Tech. (Hons.) courses is required to be present and register at the commencement of each semester on the day fixed for and notified in the Academic Calendar.

- 10.2 Registration of students for First (Autumn) Semester will be centrally organized by the Academic Section of the Institute. For all other semester the registration will be organized departmentally/ online under the supervision of the Head of the Department.

10.3A student who does not register on the day announced for the purpose may be permitted, in consideration of any compelling reason, late registration within the next three working days on payment of a prevalent additional late fee as prescribed by the Institute. Normally no late registration shall be permitted after the schedule date.

10.4 Only those students will be permitted to register who

have: a) Cleared all Institute and Hall dues of the

previous semesters.

b) Paid all required prescribed fees for the current semester, and

c) Not been debarred from registering for a specified period on disciplinary or any other ground.

10.5 To be able to register in the second year and continue his/her study in the Institute at the end of the first year a student must

(i) Complete satisfactorily at least 37 credits and

(ii) Obtain a Grade Point Average (GPA) of not lower than 6.00 calculated on the basis of combination of the best grade obtained by his/her to attain the minimum 37 credits.

A student failing to complete satisfactorily both the above conditions, even after going through Supplementary Examinations and/or Summer Quarter, is required to discontinue his/her studies after the first year and leave the Institute.

**Note:** The GPA for a set of p subjects will be calculated as follows:

$$GPA = \frac{\sum_{i=1}^p \text{Grade}_i}{p}$$

=

1

i

P

=

C

1

i

$$C$$

$$g_i$$

$$i$$

where 'c' is the number of credits allotted to a particular subject  $i$  in the set, and 'g<sub>i</sub>' is the grade — point carried by the letter grade awarded to the student in that subject  $i$ .

10.6 From the third (Autumn) Semester onwards in any Autumn (Spring) Semester:

a) Students who have passed in all the subjects of previous Autumn (Spring) semesters shall register for subjects as specified in the curricula of the concerned discipline.

b) Students who have failed in one or more subjects (henceforth called backlog subjects) in the previous Autumn (Spring) Semesters must first register in as many of these backlog subjects as are offered in that Semester provided the time — table permits before registering in any new subject. However, total credits would not be allowed to exceed more than 32 or at least one backlog paper will be allowed to register in addition to normal credits of current semester. c) Student who have a backlog in a breadth or an elective subject may register in another breadth or an elective subject from and within the same group of electives offered in the Semester concerned.

10.7 A student who has been debarred from appearing at an examination either i) as per recommendation of the subject teacher for unsatisfactory attendance or ii) by the Institute as a measure of disciplinary action or iii) for adopting malpractice at an examination, and consequently awarded a grade 'X', may re-register for the subject(s) after the term of the debarment expires, provided that other provisions of this regulations do not prevent him.

10.8 With the concurrence of the Faculty Adviser a student may be allowed to change his/her registration of subjects within one week from the day of registration.

10.9 A pre - registration of the students in all the subjects including Breadth and Additional subjects for the ensuing semester would be conducted in the current semester during a time slot to be fixed in the academic calendar. All pre — registration would be confirmed during the normal registration time.

## 11. Evaluation & Grading System

### 11.1 Evaluation

Student enrolled in various Programs of the Institute shall be awarded Letter Grades (i.e. O, A, B, C, D, P, F, I, ABS) in each of his/her courses by the concerned instructor at the end of each semester, based on their continuous assessment process. This shall include appropriate weightage for all evaluative exercises undertaken by the respective instructor during that semester, viz. Terminal - 1, Terminal-2, Mid Semester Examination, Quizzes, Assignments, Tutorials, Internal Assessment, Attendance in the courses and End Semester Examination etc.

### 11.2 Grading System

IIITR follows a relative grading system:

- (i) O Grade for OUTSTANDING students. Maximum up to 15% of the students may be awarded this Grade.
- (ii) A Grade for VERY GOOD students. Maximum up to 25% of the students may be awarded this Grade.
- (iii) B Grade for GOOD Performance. Maximum up to 30% of the students may be awarded this Grade.
- (iv) C Grade for AVERAGE performance. 20% of the students may be awarded this Grade.
- (v) D Grade for SATISFACTORY students. Maximum up to 10% of the students may be awarded these Grades.
- (vi) P Grade for PASS performance. Students with poor performance may be awarded this grade.
- (vii) F stands for FAIL. May be awarded if the performance of the student is below all the above categories.

(viii) I stand for IMCOMPLETE on grounds related to Medical/Natural calamities. The students may be given another chance to appear in the examination without degradation.

(ix) ABS stand for ABSENT in the examination.

The above eight letter grades, their descriptions, and the numerical grade points on a 10 point scale (known as Grade Points) are given in the following table:

| Grade | Description | Weight |
|-------|-------------|--------|
| O     | Outstanding | 10     |

<sup>1</sup>Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 93

|     |              |   |
|-----|--------------|---|
| A   | Very Good    | 9 |
| B   | Good         | 8 |
| C   | Average      | 7 |
| D   | Satisfactory | 6 |
| P   | Pass         | 5 |
| F   | Fail         | 0 |
| I   | Incomplete   | 0 |
| ABS | Absent       | 0 |

| Grade | Marks Description (Out of 100) |
|-------|--------------------------------|
| O     | 90 - 100                       |
| A     | 80 - 89                        |
| B     | 70 - 79                        |
| C     | 60 - 69                        |
| D     | 50 - 59                        |
| P     | 35 - 49                        |
| F     | below 35                       |

Semester Grade Point Average ( )

The semester grade point average is the weighted average of the grade points earned by a student in all the courses credited and describes his/her performance in a semester. If the grade points associated with the letter grades awarded to a student are in all courses and the corresponding credits are the is given by:

=

Also, whenever a student is permitted to appear in a back paper, the new letter grade replaces the old letter grade in the computation of the .

Cumulative Grade Point Average ( )

The cumulative grade point average indicates the overall academic performance of a student in all the courses registered up to and including the latest completed semester. It is computed in the same manner as the considering all the courses say k, over all the previous semesters, and is given by:

=

When a student gets the grade 'F' in any subject during a semester, the SGPA and the CGPA from that semester onwards will be tentatively calculated, taking only 'zero point' for each such 'F' grade. After the 'F' grade(s) has/have been substituted by better grades during a subsequent semester, the SGPA and the CGPA of all the semesters, starting from the earliest semester in which the 'F' grade has been updated, will be recomputed to take this change of grade into account.

## 12.Assessment of Performance:

12.1 There will be continuous assessment of a student's performance throughout the semester and grades will be awarded by the subject teacher/co-ordination committee -formed for this purpose. This constitution of the co-ordination committee is given in Appendix IV.

12.2 a) For arriving at a grade obtained by a student for a particular subject, initially a numeric marks obtained by the student out of 100 (hundred) is to be determined. For subjects where the laboratory component (p-component) is non-zero, separate marks, each out of 100 (hundred), in the theory component (I- & t-components) and the laboratory component are to be ascertained first. Next the failure cases (that is, the cases of student obtaining 'F' grade) are to be determined as explained in Appendix V.

b) Once the numeric mark is obtained, the same is to be converted to letter grade following the guidelines given in Appendix V.

c) For subject in which the theory component is greater than 1 (one) the subcomponents and the respective weights assigned to these are given below.

#### Sub-component Weight

Teacher's Assessment (T.A.) - 20% (5% attendance + 15% class tests & assignments)

Mid-Semester Examination - 30%

End-Semester Examination - 50%

d) For assigning marks in Teacher's Assessment (T.A.) performance in home assignments, class- tests, tutorials, viva-voce, attendance etc. are to be considered. At least two class tests are to be conducted for a subject. The weights of different subcomponents of T.A. are to be announced by the teacher at the beginning of the Semester.

e) For subject in which the theory component 1 (one), there would be no Mid-Semester or End-Examinations. The marks of the theory component would be decided by performance in class-tests, home assignments, tutorials (if any); viva-voce, attendance etc. at least two class tests are to be conducted for the theory components of such a subject. The weights of different subcomponent are to be announced by the teacher at the beginning of the semester.

f) For assigning marks in the laboratory component (p-component) the relevant subcomponents to be considered are: day-to-day work, regularity, tests (at least two must be conducted), assignments, viva-voce etc. Percentage weight of the different subcomponents in deciding the final marks are to be announced at the beginning of the Semester.

12.3 The eight-week industrial training undergone by the students in the summer vacation after the sixth semester would be assessed within five weeks after the commencement of the seventh semester. The students are required to submit a written report on the training received and give a seminar, on the basis of which a grade would be awarded. The students are also required to submit to Head of the Department a completion certificate in the prescribed form the Competent authority of the organization where the training was received, without which he/she would not be assessed.

#### 12.4 Assessment of project work

a) Performance in the various activities involved in the project would be assessed individually at the end of each semester in which it is being carried out as per the curriculum. The students are required to submit a written report at the end of the semester. The Head of the Department would appoint a project evaluation board for the purpose of assessment. The different components of evaluation and the weights assigned to these components are depicted below:

- i) Supervisor's assessment :  
40%
- ii) Project Report/Thesis  
(to be assessed by the board) :  
20%
- iii) Evaluation Board's assessment :  
40%

The student is required to give a seminar on the project work done. The evaluation board would conduct the viva - voce. Dates for conducting the seminar and the viva voce, to be held within ten days after the end - semester examination, would be announced in the academic calendar.

b) If a student due to non — completion of the project work couldn't submit the final project report at the end of eighth semester for B.Tech. (Hons.) and does not appear before the evaluation board for the viva-voce on the date fixed by the department in conformity with the academic calendar, may be granted extension of time not exceeding two months on the following conditions:

- i) He/she would be awarded one grade lower than the grade obtained by him/her and
- ii) He/she would be deemed to have completed the requirements for the degree if applicable in the succeeding session.

12.5 The Head of the Department would constitute the Viva-Voce Board(s) for conducting the comprehensive viva-voce examination as per the requirement of the curriculum. The board would decide the relative weight of the different aspect of the viva-voce and decide the grade to be awarded to the students. The dates of the viva-voce, to be conducted within ten days after the previous end-semester examination, would be announced in the academic calendar.

### 13.Examination

13.1 The Academic Section of the Institute will centrally conduct the Mid - Semester and the End - Semester Examinations in respect of the theory component of the subjects unless otherwise permitted.

13.2 i) A student will be issued an Admit Card for appearing in an examination, only if he/she has:

1) Hkkx II μ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 95

a) Attendance record to the satisfaction of the teachers in the theory and laboratory classes and has completed the assignment works given.

b) Paid all Institute and Hall dues of the semester.

c) Not been debarred from appearing in the examination as a result of disciplinary proceedings.

ii) A student may be debarred from appearing at the Mid - Semester or End - Semester Examination on the report of a teacher/chairman, co-ordination committee, if his/her

a) attendance at lecture/tutorial/laboratory classes has not been satisfactory during the period, and/or,

b) Performance in the assignment works during the semester has not been satisfactory.

13.3 i) Class tests, mid — semester examination, assignment, tutorials, viva - voce, laboratory assignments, etc., are the constituent components of continuous assessment process, and a student must fulfill all these requirements as prescribed by the teacher/co-ordination committee of the subject. If due to any compelling reason (such as his/her illness, calamity in the family, etc.) a student fails to meet any of the requirements within/on the schedule date and time, the teacher/co-ordination committee in consultation with the concerned Head of the Department may take such steps (including conduction of compensatory tests/examinations) as deemed fit.

ii) a) Appearing in the end — semester examination in the theory component of a subject is compulsory for a student. Unless exempted as per clause 13.3ii)b) stated below, if a student fails to appear in the end — semester examination he/she will be assigned an 'F' grade in the subject and will not be permitted to register in the summer quarter or appear at the supplementary examination for the subject as stipulated in clauses 13.8 & 13.10, respectively.

b) However, if a student misses the end -- semester examination due to a compelling reason like serious illness of himself/herself or a calamity in the family, he/she may appeal to the Dean, Students' Affairs, through his/her Head of the Department for permitting himself/herself to register in the summer quarter or appear at the supplementary examination(s), as the case may be apply. A sub — committee of the Undergraduate Program & Evaluation Committee consisting of the following members may, after examining the documents and being convinced about the merit of the case, recommend permitting him/her to register in the summer quarter and/or appearing in the supplementary examination(s) with full credit condoning his/her absence:

i) The Dean of Students Affairs – Chairman

ii) The Dean of Academic Affairs

iii) The Institute Doctor or a Doctor recognized for the purpose by the Institute

iv) The Deputy Registrar (Academic) - Secretary

13.4 Students will be permitted to appear in the examination in only those subjects for which they have registered at the beginning of the semester and have not been debarred.

13.5 The final grades awarded to the students in a subject must be submitted by the teacher/chairman, co-ordination committee, within seven days from the date of holding the examination to the concerned Head of the Department for onward transmission to the Assistant/Deputy Registrar (Academic.).

13.6 The evaluation of performance in the Extra Academic Activities (EAA) will be done by the authorities conducting these. The grades will be communicated to the Assistant/Deputy Registrar (Academic) by the following authorities through the co-ordinator of EAA : NSS/NSO : Head NSS / Dean (Student Affairs)

13.7 Any change of grade of a student in a subject, consequent upon detection of any genuine error of omission and/or commission on part of the concerned teacher, must be approved by the Departmental UC Committee and must be forwarded by the teacher/chairman, co-ordination committee, through the Head of the concerned Department within 20 (twenty) days from the date of commencement of the next Semester.

13.8 For the benefit of and as a process of learning by the students, the scripts after correction of all class tests, mid - semester examinations, assignments etc. would be shown to the students within 4 weeks from the date of tests/examinations. The scripts of the end - semester examinations are to be shown within 15 days from the date commencement of the next semester.

13.9 With a view to assist the students, who failed in one or more subjects in the autumn and/or spring semester in a year, a Summer Quarter will be conducted during the immediately following summer vacation for making up their deficiency and improve the performance. The regulations for running the Summer Quarter are given in Appendix V.

13.10 In order to provide an additional opportunity to the students who failed (obtained an 'F' grade) in one or more subjects due to not being able to score higher than the cut — off marks in the theory components in either the autumn and/or the spring semester in a year, Supplementary Examinations equivalent to the end - semester examination arranged

centrally by the Academic Section, will be conducted in the month of July (before commencement of the next session) every year. Regulations relating to the Supplementary Examination are given in Appendix VI.

13.11 A student in any degree programme must complete the prescribed course work of the first four semesters within a maximum period of 3 years and those of the last four or six semester, as the case may be depending upon the duration of the course, within a further period of 3 or 4 years, respectively. In special cases the Senate may, on the recommendation of the Department and the Under Graduate Program Evaluation Committee (UGPEC), further extend the total time limit for completion of all the requirements up to 7 years for the B.Tech.(Hons.) degree,

#### **14. Graduation Requirement**

14.1 In order to qualify for a B.Tech.(Hons.) Degree of the Institute covered under these Regulations a student must:

- a) Complete all the credit requirements for the degree as laid down in the prescribed curriculum of the discipline, with a minimum grade 'P' scored in every subject.
- b) Obtain a CGPA of 6.00 or higher at the end of the semester in which he/she completes all the requirements for the degree.
- c) Have cleared all dues to the Institute, the Hall of Residence, the Library and the Department.

14.2 The minimum total credit requirements that have to be satisfactorily completed for the award of a degree will be decided by the senate when the new curriculum is framed.

14.3 Normally a student should complete all the requirements consecutively in eight semesters for B.Tech.(Hons.) degree.

Academically weaker students may be granted time up to 12 semesters to complete all the requirements for degree.

14.4 A student, whose academic records at the end of any semester clearly indicate that he/she will not be able to qualify for the degree for which he or she had been admitted within the limits of time specified in clause 13.3 above. shall have to discontinue studies and leave the Institute when asked to do so.

#### **15. Withdrawal from the Institute**

15.1 A student who has been admitted to a degree course of the Institute may be permitted to withdraw temporarily for a period of one semester or more from the Institute on grounds of prolonged illness or acute problem in the family which compelled him/her to stay at home, provided:

- a) He/She applies to the Institute within 15 days of the commencement of the semester or from the date he or she last attended his/her classes whichever is later, stating fully the reason for such withdrawal together with supporting documents and endorsement of the father/guardian.

b) The Institute is satisfied that, inclusive of the period of withdrawal, the student is likely to complete his requirements for the degree within the time limits specified in clause 13.3.

c) There are no outstanding dues or demands from him/her by the Institute/Hall/Department/Library/Gymkhana/NSS.

15.2 A student who has been granted temporary withdrawal from the institute under the provision of clause 14.1 will be required to pay the tuition fee and other essential fees/charges for the intervening period till such time as his/her name is borne on the Roll List.

15.3 A student will be granted only One such temporary withdrawal during his/her tenure as a student of the Institute.

#### **16. Institute Medals and Prizes**

The senate shall have the authority to Institute medals and prizes as it deems fit from time to time

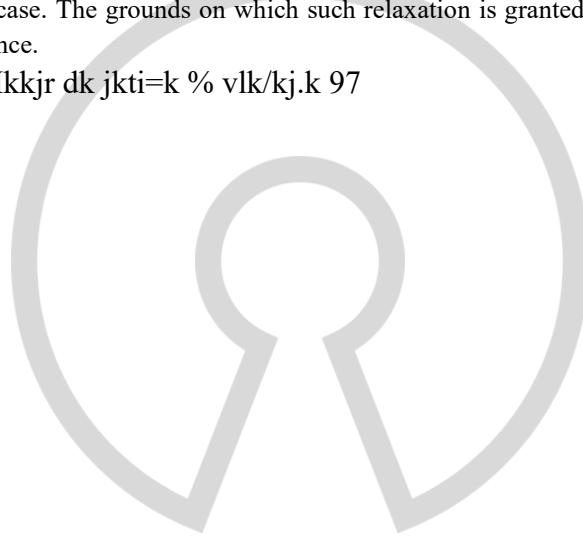
##### **16.1 Merit cum — Means Scholarships**

These scholarships are awarded from the Institute funds. Rules pertaining to the award of Merit - cum - Means scholarships are stated in Appendix VII.

#### **17. Relaxation**

The Senate may, under exceptional circumstances, consider any case of student having a minor deficiency in respect of any of the requirements stated in these Regulations and relax the relevant provision of these Regulations based on the merit of the case. The grounds on which such relaxation is granted shall invariably be recorded and cannot be cited as precedence.

<sup>1</sup>Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 97



**APPENDIX-I****RULES RELATING TO RESIDENCE REQUIREMENTS**

Following are the detailed rules governing residence requirements of students:

- a. The mess of each Hall of Residence shall function as a single integrated unit and shall not, under any circumstances be sub — divided into any kind of groups or sub — groups.
- b. Under special circumstances, the Director/Dean of Students' Affairs may permit a student to reside with his Parent/Guardian in the Institute Campus or within a reasonable distance from the Institute. Such a student shall, however, be attached to a Hall of Residence and will be required to pay seat rent according to rules, and Hall establishment charges fixed by the Hall Management Committee (HMC) and the Warden of the hall. However, this permission may be \withdrawn at the discretion of the Institute, at any time considered appropriate without assigning any reason.
- c. No married accommodation shall be provided to any student of the undergraduate courses.
- d. No student shall come into or give up the assigned accommodation in any Hall of residence without the prior permission of the Chairman, HMC.
- e. A student shall reside in a room allotted to him/her and may shift to any other room only under the direction/permission of the Warden.
- f. Students shall be required to make their rooms available whenever required for inspection, repairs, maintenance or disinfecting and shall vacate the rooms when leaving for the vacations/holidays.
- g. Students shall be responsible for the proper care of the furniture; fan and other fittings in the rooms allotted to them and shall generally assist the Warden in ensuring proper use, care and security of those provided in the Halls of common use of all students.
- h. Students will be responsible for the safe keeping of their own property. In the event of loss of any personal property of a student due to theft, fire or any other cause, the Institute shall accept no responsibility and shall not be liable for payment of any compensation.
- i. Engaging personal attendance, keeping pets and use of appliances like electric heater, refrigerators etc. by a student in the Hall of Residence are prohibited.
- j. All students must abide by the rules and regulations of the Hall of Residence as may be framed from time to time.

**APPENDIX-II****RULES REGARDING ATTENDANCE**

Following are the rules relating to attendance at classes:

- 1.Attendance in all classes (lectures, tutorials, laboratories, workshops, EAA including its related camps and other publicized activities etc.) are compulsory. A student may be debarred from appearing at an examination, if the attendance falls below 75% and shall be accordingly awarded F degree.
- 2.The teacher concerned may condone absence from classes for a very short period due to unavoidable reasons provided he/she is satisfied with the explanation.
- 3.a) If the period of absence is for a short duration (of not more than two weeks) application for leave shall have to be submitted to the Head of the Department concerned stating fully the reason, for the leave requested for along with supporting document(s). The Head of Department will grant such leave.  
b) Absence for a period not exceeding two weeks in a semester due to sickness or any other unavoidable reason for which prior application could not be made may be condoned by the Head of the Department provided he is satisfied with the explanation.
- 4.If the period of absence is likely to exceed two weeks, a prior application for grant of leave will have to be submitted through the Head of the Department to the Dean, Academic Affairs, with the supporting documents. The decision to grant or condone such leave shall be taken by the Dean (Academic Affairs) only after joining his / her Institute and producing fitness certificate within a week with proper recommendation of the Head of the Department.
- 5.It will be the responsibility of the student to get his absence from classes condoned by the appropriate authority.
- 6.A student must intimate his/her absence to the Warden of the Hall in which he/she is residing before availing of any leave. Failing to do so will be construed as breach of discipline and will be dealt with as per provisions in Appendix III.

**APPENDIX-III****RULES REGARDING CONDUCT AND DISCIPLINE**

Following rules shall be in force to govern the conduct and discipline of all students

1. Students shall show due respect to the teachers of the Institute, the Wardens of the Halls of Residence, the Sports Officers of Gymkhana and the Officers of the National Social Service: proper courtesy and consideration should be extended to the employees of the Institute and of the Halls of Residence. They shall also pay due attention and courtesy to visitors.
  2. Students are required to develop a friendly relationship with fellow students. In particular, they are expected to show kindness and consideration to the new students admitted to the Institute every year. Law bans ragging in any form to anybody — acts of ragging will be considered as gross indiscipline and will be severely dealt with.
  3. The following acts of omission and/or commission shall constitute gross violation of the code of conduct and are liable to invoke disciplinary measures:
    - Ragging
    - Furnishing false statement of any kind in the form of application for admission or for award of scholarship etc.
    - Displaying lack of courtesy and decorum; resorting to indecent behavior anywhere within or outside the campus.
    - Willfully damaging or stealthily removing any property/belongings of the Institute, Hall or fellow students.
    - Possession, consumption or distribution of alcoholic drinks or any kind of hallucinogenic drugs.
    - Adoption of unfair means in the examinations.
    - Organizing or participating in any group activity in company with others in or outside the campus without prior permission of the Dean of Student Affairs.
    - Mutilation or unauthorized possession of library books.
    - Resorting to noisy and unseemly behavior, disturbing studies of fellow students.
    - Not intimating his/her absence to the warden of the hall before availing any leave. Commensurate with the gravity of the offence, the punishment may be reprimand, fine expulsion from the Hall, debarment from an examination, rustication for a specified period or even outright expulsion from the Institute.
  4. For an offence committed (a) in a Hall of Residence, (b) in the Department or a classroom and (c) elsewhere, the Warden, the Head of Department and the Dean of Students Affairs, respectively, shall have the authority to reprimand or impose fine or take any other suitable measure. All cases involving punishment other than reprimand shall be reported to the Chairman of the Standing Disciplinary Committee.
  5. (a) All major acts of indiscipline, which may have serious repercussion on the general body of students, and/or which may warrant a uniform and more formalized nature of investigation, shall be handled by the Standing Institute Disciplinary Committee appointed by Senate. The standing Disciplinary Committee consists of the following ex-officio and other members:
    - 1) Dean of Students Affairs-Chairman
    - 2) Chairman, Hall Management Committee
    - 3) Warden of the Hall of Residence of which the student concerned is a boarder
    - 4) One member of faculty nominated by the Senate, by rotation for two years.
    - 5) Student Vice President,
    - 6) One of the student representatives in the Senate, to be nominated by the Dean, Students Affairs, for one year
    - 7) The Deputy Registrar (Academic) - Member Secretary
- In addition, the Chairman may invite any other person(s) to be associated with the proceedings of a particular case, if he/their participation is considered necessary in disposing of the matter.
- (b) Recommendation of the committee, which will include the suggested punishment in cases of guilt proven, will be forwarded to the Chairman Senate for necessary action.
6. Cases of adoption of unfair means in an examination shall be dealt with by the committee on Examination Malpractice consisting of the following members

1. Professor - in - Charge of Examination

- Chairman

2. Head of the Department to which the reported student belongs - Member  
'Hkkx iμ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 99
  3. The invigilator reporting the case - Member
  4. The Invigilator - in - Charge of the Examination Hall concerned - Member
  5. The Paper - setter concerned - Member
  6. One member of the faculty nominated by the Undergraduate Program for a term of two years - Member
  7. One member of faculty nominated by the Evaluation Committee for a term of two years - Members
  8. The Assistant/Deputy Registrar (Academic) - Secretary
- The Committee shall recommend appropriate measures in each case to the Chairman of the Senate for awarding the punishment.

#### Appendix-IV

CO-

#### ORDINATION COMMITTEES FOR UG STUDENTS

##### Composition:

One Co-ordination Committee would be constituted each subject taught more than one teacher of one or more Department Centers. Each Committee would consist of all the teachers who are involved with the teaching of the subject during the semester.

One of its members would be nominated by the Head of that Department, under whose name the subject is being offered to act as its Chairman.

##### Tenure :

The semester in which the subject is being offered.

##### Functions:

- i) To lay down the course plan for the subject
- ii) To co-ordinate instructions and progress of teaching in the subject and to ensure that the full syllabus is covered.
- iii) To review periodically the performance of students who have registered in the subject.
- iv) To forward the results of the examinations and the final grades obtained by each student taking the subject to the concerned Head of the Department.
- v) To moderate the question papers on the subject and ensure that the syllabus is well covered by the question papers.

##### Frequency of Meetings:

Each Co-ordination Committee shall meet at least four times during the semester

#### APPENDIX-V

#### RULES RELATING TO SUMMER QUARTERS

##### 1. Introduction

1.1 To enable the undergraduate students to make up deficiencies a Summer Quarter will be organized every year during the summer vacation. Summer Quarter shall, however, be offered only in the theory components of subjects.

1.2 The students of 4 - year B.Tech. (Hons.) courses eligible to register for the Summer Quarter, if any is offered

##### 2. Duration

2.1 The duration of the Summer Quarter shall be seven weeks from around the middle of May till around the end of June. The exact dates for holding the Summer Quarter for a particular session shall be decided by the Senate every year while finalizing the Academic Calendar.

2.2 The attendance requirement for the Summer Quarter shall be the same as for a regular semester. A student who does not satisfy the norms will not be allowed to appear at the examination.

##### 3. Eligibility

3.1 Only those students will be permitted to register themselves for a subject offered in the Summer Quarter who has cleared all Institute and Hall dues till date and have paid the necessary fees and Mess Advances for the Summer Quarter for which they are registering.

3.2 A student will be eligible to register in a subject if he/she actually appeared at the last end — semester examination in that subject and obtained the grade 'F'.

3.3A student, who could not appear at the end semester examination due to self-illness or calamity in the family, will also be eligible to register for the subjects concerned in the Summer Quarter as per clause 13.3 ii) b) if his/her attendance was satisfactory in the judgement of the teacher.

3.4No Supplementary Examination shall be held in a subject that is being offered in the Summer Quarter of the session unless extraordinary circumstances justify it.

#### **4. Registration**

4.1All students intending to join a Summer Quarter must register themselves for the subjects concerned on the day fixed for the purpose. No late registration shall be permitted on any ground.

4.2A prevalent Summer Quarter registration fee, as decided by the Institute from time to time shall have to be paid along with the application in a prescribed form.

4.3Registration of students for the Summer Quarter in a subject shall be done by the Faculty Adviser in the Department concerned under the supervision of the Head of the Department.

4.4The weekly lectures and tutorials of a subject taught in the Summer Quarter shall be twice the corresponding loading it carries during the normal semester. The credits allotted to it shall, however, remain the same.

4.5A student shall not be allowed to register for more than two subjects during a Summer Quarter.

4.6Summer Quarter in a subject shall be offered only if at least 5 students register for that subject.

#### **5. Assessment**

The teacher offering a particular subject during the Summer Quarter shall

5.1Take care of all aspects of the theory component of the subject, viz, lectures, tutorials, assignments etc.

5.2Conduct all class tests, mid - semester examination, end-semester examination viva-voce etc. the end - semester examinations may, however, be centrally arranged.

5.3Compute the grade as per rules laid down in Clauses 12.2 (a) through (e) of section II. The contribution of the laboratory component, if there is any in the subject, ascertained in the original semester has to be used for computing the numeric marks out of 100.

5.4The grades awarded to the registered students must be sent to the Assistant/Deputy Registrar (Academic) within 3 days from the date the examination was held.

**APPENDIX-VII****RULES REGARDING SUPPLEMENTARY EXAMINATION**

- 1.Except as specified in Clause 13.3(ii) (b), a student will be eligible to appear in the supplementary examination in a subject if he/she had actually appeared at the last end - semester examination in that subject and obtained the grade 'F'.
- 2.A student will not be allowed to appear in more than 5 (five) subjects in the supplementary examinations.
- 3.Intending students must submit their application, countersigned by the teacher(s) of the subject(s) or the Head of the Department concerned, along with the necessary fees to the Assistant Registrar (Academic) by the date as announced by a notification.
- 4.The supplementary examinations shall be held on such dates as laid down in the Academic Calendar for the year or as notified separately.
- 5.The grade in subject scored by the student appearing in the supplementary examination will be recomputed by substituting the marks of the end -- semester in the total marks scored by that scored in the supplementary examination. Unless exempted as per regulation in clause 13.3 ii) b). a student is entitled only one grade lower than the actual grade thus scored, except that performance grade 'P' remains unaltered, as elucidated in the table below :

| Grade obtained | Grade to be awarded |
|----------------|---------------------|
| O              | A                   |

<sup>1</sup>Hkkx IIµ[k.M 3(ii)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 101

|   |   |
|---|---|
| A | B |
| B | C |
| C | D |
| D | P |
| P | P |
| F | F |

- 6.The final grades awarded to the students must be sent to the Assistant Registrar (Academic) within 3 days from the date the supplementary examination was held.

**APPENDIX-VIII****RULES FOR TILE AWARD OF: MERIT - CUM-MEANS SCHOLARSHIPS**

The Institute award scholarships on the basis of merit-cum-means to all eligible students of the 4 - year B.Tech. (Hons) in accordance with the following rules:

1. All students admitted to any of the 4 - year B.Tech.(Hons.), except the students belonging to SC and ST (who are eligible for Post - Metric Scholarship of their respective State Governments) who fulfil the conditions hereinafter appearing shall be eligible for the award of the Merit - Cum - Means (MCM) scholarship.
2. These scholarships will be awarded to not more than 25 % of the students admitted each year to the Undergraduate courses.
3. The value of these scholarships shall be as determined by the Board of Governors from time to time.
4. All MCM scholarship holders will be entitled to exemption from payment of institute tuition fee. They shall, however, be required to pay all other prescribed fees.
5.
  - (a) The MCM scholarships will be payable for all 12 months of the academic session, from the month of July of one year to the month of June of the following year.
  - (b) Scholarships for the month of July shall be paid in full regardless of the date in July when the Institute reopens after the Summer Vacation, provided the student joins the Institute on the prescribed date of registration. Otherwise, the scholarship for the month of July shall be paid on a pro - rata basis.
6. No student will be permitted to enjoy more than one scholarship during the same period. In the event of an awardee becoming eligible for another scholarship from any other source, he will have the option to accept either of the two. In such a case he/she is required to communicate in writing his/her choice to the Dean of Academic Affairs.
7. The initial award of the scholarship and its annual renewal through proper application shall be governed by the following conditions:
  - (a) The student satisfies the merit criterion laid down for the award of these scholarships.
  - (b) The parent/guardian of the student satisfies the means criterion laid down for the award of the scholarship.
  - (c) No disciplinary action has been taken against him/her during the preceding year.
8. The merit criterion for the award of the scholarship shall be as follows:
  - (a) For fresh entrants, the student should have obtained at least 60 % marks in aggregate or a grade corresponding to 60 % marks in the qualifying examination for AIEEE.
  - (b) For subsequent renewals, the student's performance in the two consecutive semesters of the preceding session, that is, the average of the two SGPA's concerned, as updated after the last supplementary/summer quarter examination, must not be lower than 7.00.
9. The upper limit of annual income as laid down by the Government of India from time to time shall be applicable as the means criterion for the award of the scholarships. The income during the financial year completed before the session commences shall be taken into consideration for this purpose.
10. An employer's certificate/copy of the income tax return/income affidavit for the financial year preceding the grant or renewal of the award, as the case may be shall have to be submitted by the parent/guardian of the student along with the application for the scholarship.
11. In the event of a tie among two or more applicants for the award of the last available scholarship, every student involved in the tie will be awarded the scholarship even if the total number of scholarships exceeds the 25 % limit.
12. The scholarship holder must:
  - (a) obey all the regulations laid down in the Appendix - II regarding attendance
  - (b) appear in all the semester examinations except for illness or calamity in the family (to be supported by documents). In case of any breach the scholarship would be terminated.
13. Outstanding Institute and Hall dues, if any may be deducted at the source and the balance, if any, would be paid to the scholar.

Those students who satisfy the specified means criterion but are unable to satisfy the specified merit criterion may be granted exemption from the payment of tuition fees. The number of such students shall be restricted to 10% of the students admitted each year.

#### 14.AMENDMENTS

Not with standing anything contained in the ordinance, the senate of the Indian Institute of Information Technology, Ranchi, reserves the right to modify/amend without notice, the curricula, Procedures, Requirements, Examinations, Admissions and rules pertaining to its Bachelor's Degree programmes.

[F. No. 52-2/2017-TS.I]

SUKHBIR SINGH SANDHU, Addl. Secy. (TE)

अधिसूचना

23अ

तूबर, 2019

(अ).—भारतीय सूचना ाैौगिक संथान (सावजिनक-िनजी भागीदारी) अधिनयम, , , , 2017 (2017 का 23), क धारा 34 (1) (2) और (3) के साथ पठत धारा 33 & ारा द शि)य\* का योग करते +ए, , , , शासी बोड के अनुमोदन से सीनेट, , , , भारतीय सूचना ाैौगिक संथान, , , , पुणे के िन3िलिखत अ5यादेश बनाती है।

सूची

|   |                       |     |
|---|-----------------------|-----|
|   |                       |     |
|   | भा. स. ाै. स. () 2017 | 103 |
|   |                       |     |
|   | /                     |     |
|   |                       |     |
| 4 |                       | 105 |
| 5 |                       | 106 |
| 6 |                       | 107 |
| 7 |                       | 107 |

आवास आव: यकताएं औरछाBावासशाखाप&रवत नपंजीकरण